अनमोल वचन

बदलाव: "दुनिया को बदलने से पहले खुद को बदलें, क्योंकि पूरी दुनिया में कारपेट बिछाने से बेहतर अपने पैरों में चप्पल पहन लेना है"।

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

RNI NO. BHHIN/25/A5267

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेल: rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्ष:- 1 अंक:- 7 सुपौल, माह जुलाई, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठ: 8 मूल्य: 5/- रू.

एक नजर

अरुणाचल प्रदेश बाढ़: भारी बारिश और भूस्खलन से भारी तबाही, 7 की मौत और 97,000 लोग बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के कई ज़िलों में नई बाढ़ और बारिश की वजह से हुए भूस्खलन से भारी तबाही हुई। इससे सड़कें, पुल, स्कूल और दूसरे सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा और कई इलाकों का संपर्क टूट गया। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लगातार बारिश के कारण कुरुंग कुमे ज़िले में अचानक बाढ़ आ गई और पाक्के केसांग, पश्चिम कामेंग और पापुम पारे ज़िलों में भूस्खलन हुआ। इस बाढ़ और बारिश से मरने वालों की संख्या सात बनी हुई है और राज्य के सभी 26 ज़िलों में 97,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर कुरुंग कुमे ज़िले में देखा गया, जहाँ कुमे नदी के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह पारसी-पारलो सर्कल और दामिन सब-डिविजन में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ के पानी ने हुरी और दामिन को जोड़ने वाले पुल को बहा दिया, जिससे सब-डिविजन का सड़क संपर्क टूट गया।

पारसी-पारलो सर्कल में, बाढ़ का पानी इंस्पेक्शन बंगले में घुस गया, जिससे दो रिहायशी मकानों और एक चर्च को आंशिक रूप से नुकसान पहुँचा और पागम गाँव को जोड़ने वाला पुल बह गया। बाढ़ ने इलाके के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक, सेंट थॉमस स्कूल को भी भारी नुकसान पहुँचाया।

अयोध्या-ज्ञानवापी के बाद अब भोजशाला पर नजरें, सुप्रीम कोर्ट करेगा हाई कोर्ट के फैसले की समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुस्लिम पक्ष की उन अपीलों पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिनमें मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें धार जिले के विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर माना गया था। यह दशकों पुराने भोजशाला-कमल मौला मस्जिद विवाद का नया घटनाक्रम है। मुस्लिम अपीलकताओं की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट हुजेफा अहमदी और एडवोकेट निजाम पाशा ने जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच को बताया कि इस मामले पर तुरंत सुनवाई की जरूरत है। चीफ जस्टिस ने अपील करने वालों के वकील से कहा कि वे याचिकाओं में मौजूद कमियों को दूर करें और कहा कि इन मामलों को जल्द ही एक बेंच के सामने सुनवाई के लिए रखा जाएगा। 15 मई को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि विवादित भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर है। कोर्ट ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के कई दशक पुराने उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को इस जगह पर शुक्रवार की नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी।

बांकीपुर उपचुनाव में जेजेडी प्रत्याशी वीणा मानवी गिरफ्तार, भड़के तेज प्रताप यादव

संवाददाता

पटना: सोमवार को बिहार की बांकीपुर सीट के उपचुनाव के दौरान हंगामा हो गया, जब जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को पटना में नॉमिनेशन पेपर भरने पहुँचते ही पुलिस ने गिरफ़्तार कर लिया। पुलिस ने नॉमिनेशन वाली जगह पर ही मानवी को हिरासत में ले लिया और उन्हें गांधी मैदान पुलिस स्टेशन ले गई। गिरफ़्तारी के बाद मानवी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ राजनीतिक साज़िश रची गई थी, हालाँकि शुरूआती रिपोर्ट में गिरफ़्तारी की ठोस वजह नहीं बताई गई थी। उनकी बेटी ने भी इस घटना को लेकर कुछ अज्ञात राजनीतिक नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकिन उन आरोपों की पूरी जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाई। पटना की रहने वाली सोशल एक्टिविस्ट और 'महिला विकास मंच' की प्रेसिडेंट मानवी को 1 जुलाई को JJD प्रेसिडेंट तेज प्रताप यादव ने बांकीपुर सीट के लिए पार्टी का कैंडिडेट घोषित किया।

बिहार हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना से पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान : मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटना: मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' सभागार में मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना-2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार अब केवल इतिहास और आस्था की भूमि नहीं, बल्कि आधुनिक पर्यटन का एक सशक्त केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार को पर्यटन के विश्व मानचित्र पर स्थापित करना है। यह योजना राज्य के पर्यटन क्षेत्र में नए युग की शुरूआत करेगी तथा आम नागरिकों को किफायती दरों पर हवाई पर्यटन की सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बिहार भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, विश्वविख्यात नालंदा विश्वविद्यालय और प्राचीन मगध साम्राज्य जैसी महान सभ्यता और संस्कृति का केंद्र रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य इन ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना तथा अधिक से अधिक पर्यटकों को बिहार की ओर आकर्षित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना-2026 के तहत पटना, राजगीर, वाल्मीकिनगर और कैमूर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं

पटना से राजगीर, वाल्मीकिनगर एवं कैमूर के लिए सब्सिडी युक्त हेली-टूरिज्म सेवा की शुरूआत, आम नागरिकों को किफायती दरों पर हवाई पर्यटन का अवसर उपलब्ध, सरकार अधिकतम 15, 422 रुपए तक का प्रति टिकट दे रही है अनुदान

उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार द्वारा प्रति टिकट पर्याप्त अनुदान दिए जाने से यह सुविधा आम लोगों की पहुंच में होगी। 13 जुलाई 2026 से बुकिंग प्रारंभ होगी तथा 18 जुलाई 2026 से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को नियमित हेलीकॉप्टर सेवाओं का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग से आग्रह है कि वे एयर टूरिज्म का और विस्तार करें, इसके लिये निजी हितधारकों को भी इससे जोड़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन केवल भ्रमण का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश और आर्थिक विकास का मजबूत आधार है। राज्य सरकार होम स्टे, स्थानीय हस्तशिल्प, लोक संस्कृति, स्थानीय व्यंजनों तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देकर गांव-गांव तक पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है, जिससे युवाओं और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का प्रत्येक नागरिक राज्य का सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि वे अपने व्यवहार, आतिथ्य और बिहार की समृद्ध संस्कृति, विरासत एवं पर्यटन स्थलों का सकारात्मक प्रचार-प्रसार करें। जब बिहार का हर नागरिक पर्यटन का दूत बनेगा, तब राज्य की पहचान देश और दुनिया में और अधिक मजबूत होगी तथा पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

बिहार में कानून व्यवस्था पर तेजस्वी यादव का तीखा हमला

कहा- राज्य में अपराध रोकने में सरकार पूरी तरह विफल

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की वर्तमान कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में हत्या, बलात्कार, अपहरण और लूट जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए यादव ने कहा कि बिहार में छात्र, युवा, कारोबारी और महिलाएं असुरक्षित हैं और उनकी सरेआम हत्या की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और अपराधियों का कथित गठजोड़ बिहार के लोगों के लिए नासूर बन चुका है। यादव के मुताबिक, राजग नेताओं, पुलिस और माफियाओं की कथित सांठगांठ से भ्रष्टाचार और शराब तस्करी फल-फूल रही है और सरकार का सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं है। राजद नेता ने राजधानी पटना के एक बेहद व्यस्त इलाके से एक युवक के कथित अपहरण और बाद में उसकी हत्या की घटना का जिक्र करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए।

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप: पीएम मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं यकीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं। अठकसे बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे किसी बेहतर चीज की उम्मीद कर सकते हैं? इस देश में पेगासस कौन लाया, राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी?

कीचड़ और जलजमाव से बदहाल सड़क, ग्रामीणों का आवागमन हुआ मुश्किल

पिपरा (सुपौल)। पिपरा प्रखंड अंतर्गत दिनापट्टी पंचायत के पिपराही गांव वार्ड नंबर 15 की मुख्य सड़क महेंद्र साह घर के पास इन दिनों बदहाली का शिकार है। लगातार बारिश के कारण सड़क पर जलजमाव और कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर पानी जमा रहने और जगह-जगह कीचड़ फैल जाने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहन चालकों को फिसलने का खतरा बना रहता है, जबकि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब है, लेकिन अब तक इसके स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। बरसात के मौसम में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जिससे गांव का संपर्क प्रभावित होने लगता है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से सड़क की शीघ्र मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था तथा पक्की सड़क निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला

गयाजी स्थित बिपार्ड में आज बिहार विधानसभा के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी०पी० राधाकृष्णन जी, माननीय राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जनता ने विधायकों को अपनी आवाज बनाकर सदन में भेजा है, इसलिए जनहित के मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों और प्रभावी ढंग से सदन में उठाना उनकी महत्वपूर्ण

जिम्मेदारी है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आधुनिक तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए० आई०) के उपयोग को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और कार्यकुशलता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी 15 जुलाई से बिहार के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरूआत की जाएगी, जिससे राज्य के युवाओं को उच्च शिक्षा के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।

बिहार: कोचिंग संस्थान गोलीबारी मामले में खान सर और उनके तीन कर्मचारियों को पटना कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

पटना: पटना की एक अदालत ने कोचिंग संस्थान में हुई गोलीबारी की घटना के मामले में चर्चित शिक्षक खान सर के नाम से मशहूर फैजल खान और उनके संस्थान के तीन कर्मचारियों को सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी है। खान सर के अधिवक्ता ने अदालत के इस फैसले की पुष्टि की है।

यह पूरा मामला जून की शुरूआत में हुई एक हिंसक घटना से जुड़ा है। खान सर के कोचिंग संस्थान में कुछ असामाजिक तत्वों ने कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी। इस हंगामे के दौरान संस्थान के दो सुरक्षा गार्डों पर हवा में गोली चलाने का आरोप लगा था।

खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार मौर ने मीडिया को बताया कि न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई करते हुए पहले खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर की और उसके बाद उनके तीन स्टाफ सदस्यों को भी राहत दी।

जिला स्तरीय साप्ताहिक सोमवारीय समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

सावन कुमार, भा०प्र०से०, जिलाधिकारी, सुपौल की अध्यक्षता में समाहरणालय, सुपौल स्थित लहटन चौधरी सभागार में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों में साथ जिला स्तरीय साप्ताहिक सोमवारीय समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुई।

उक्त बैठक में न्यायालय वाद संबंधी, दाखिल-खारिज, जिला जनता दरबार, जन संवाद एवं विभिन्न जन कल्याणाकारी योजनाओं के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी। साथ ही सहयोग पोर्टल पर ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की भी समीक्षा की गयी, जिसमें सभी पदाधिकारियों को ससमय आवेदनों का निष्पादन करने का निदेश दिया गया।

उक्त बैठक मो0 तारीक, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन, सुपौल, श्री सच्चिदानंद सुमन, अपर समाहर्ता, सुपौल, श्री सतीश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सुपौल, श्री विकास कुमार कर्ण, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुपौल, श्रीमती पुष्पा कुमारी, वरीय उप समाहर्त्ता, सुपौल एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे। जिला के इतर के पदाधिकारीगण पदाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

राम मंदिर चंदा चोरी: सुप्रीम कोर्ट ने ट्रस्ट को भेजा नोटिस, एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (13 जुलाई) को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक नोटिस जारी किया। यह नोटिस अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान की कथित चोरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर जारी किया गया। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को दान की कथित चोरी के मामले में अपनी जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र और राज्य की ओर से पेश हुए, ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी।

इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी, जब कोर्ट याचिकाओं पर विचार करेगा और रक्ळ की जांच के नतीजों की समीक्षा करेगा। तीन याचिकाकताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस मामले की उइक जांच की मांग की। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की CAG (कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर

जनरल) से ऑडिट कराने की भी मांग की; यह ट्रस्ट राम मंदिर के कामकाज का प्रबंधन करता है। अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने भी ऐसी ही मांग करते हुए दूसरी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में CBI जांच की मांग के अलावा, RJD सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर तीसरी याचिका में मंदिर ट्रस्ट के पूरे वित्तीय कामकाज की फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की गई है। जून के पहले हफ़्ते में राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान गड़बड़ी की बात सामने आने पर मंदिर के दान के कथित दुरुपयोग का मामला प्रकाश में आया।

मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर, उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई। SIT में लखनऊ डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस किरण एस और स्पेशल सेक्रेटरी (फाइनेंस) नील रतन शामिल हैं। SIT को गबन के शुरूआती सबूत मिले, जिसके बाद FIR दर्ज की गई। अब तक, इस मामले में मंदिर की दान-गिनती प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। SIT के अनुसार, 45 दिनों की CCTV फुटेज में इन प्रक्रियाओं का बार-बार उल्लंघन देखा गया। जांचकताओं का आरोप है कि आरोपियों ने गिनती हॉल के अंदर कैश की आवाजाही पर कमजोर निगरानी और अपर्याप्त जांच का फायदा उठाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान कम से कम 70 बार चोरी हुई। इसमें जांच से पहले कुछ कर्मचारियों से लगभग 78.94 लाख रुपये और गिनती वाले कमरे से जुड़े बाथरूम से 2.25 लाख रुपये बरामद होने का भी ज़िक्र है।

मानसून सेशन से पहले मोदी कैबिनेट में फेरबदल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में कैबिनेट विस्तार या बड़े राजनीतिक फैसलों का अंदाजा लगाना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि वे अपनी रणनीतिक योजनाओं को बहुत गुप्त रखते हैं और सही समय आने पर ही उनका खुलासा करते हैं। हालांकि, दो अलग-अलग घटनाओं ने कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चल रही अटकलों को फिर से हवा दे दी है। पहली घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निवर्तमान डायरेक्टर तपन डेका के सम्मान में आयोजित डिनर है। एक दुर्लभ सार्वजनिक कदम उठाते हुए, शाह ने '' पर डेका की तारीफ की और कार्यक्रम की तस्वीरें भी साझा कीं। इस कदम से डेका के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गईं—कि उन्हें रिटायरमेंट के बाद कोई अहम ज़िम्मेदारी दी जा सकती है, जिसका संबंध शायद जम्मू-कश्मीर से हो, जहाँ मनोज सिन्हा अभी लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं। इससे यह अटकल भी शुरू हो गई है कि सिन्हा को केंद्रीय कैबिनेट में भेजा जा सकता है। दूसरी अहम घटना केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अचानक और असामान्य प्रशासनिक फेरबदल थी।

यादव के चार अहम निजी सहयोगियों को हटाए जाने से राजनीतिक और नौकरशाही हलकों में हलचल मच गई, क्योंकि वे बीजेपी के एक प्रमुख रणनीतिकार और संगठन से जुड़े अहम व्यक्ति हैं और माना जाता है कि उनका प्रभाव उनकी मंत्री पद की जिम्मेदारियों से कहीं ज्यादा है। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के नेतृत्व में विपक्षी कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए शासन-व्यवस्था के चरमराने का आरोप लगाया और यादव के मंत्रालय में एक बहुत बड़े घोटाले का ज़िक्र किया।

संक्षिप्त खबरें

चिल्ड्रेन स्कूल्स वेलफेयर सोसाइटी कोशी रेंज की मासिक बैठक मोकमा ग्राम में संपन्न

संवाददाता

सहरसा: चिल्ड्रेन स्कूल्स वेलफेयर सोसाइटी, कोशी रेंज, सहरसा की मासिक बैठक गत रविवार को सोनवर्षा प्रखंड अंतर्गत मोकमा ग्राम स्थित मां भगवती शिक्षण संस्थान सह कोचिंग सेंटर में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ विधिवत राष्ट्रगान से प्रारंभ हुई। साथ ही आयोजक विद्यालय के निदेशक बिट्टू कुमार के विशेष अनुरोध पर सोसाइटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष द्वारा केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।इस बैठक में सर्वप्रथम सोसाइटी के 15 सदस्यों को अध्यक्ष और सचिव द्वारा बिहार सरकार के शिक्षा विभाग से मिले प्रस्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उसके बाद सितंबर अक्टूबर में होने वाले प्रतिभा खोज प्रतियोगिता परीक्षा पर विशेष रूप से चर्चा की गई। सबो ने परीक्षा के आयोजन में अपनी महती भूमिका निभाने की बात कही। अध्यक्ष अवनीश कुमार वर्मा ने सोसाइटी द्वारा विद्यालय और छात्र छात्राओं के सतत विकास के लिए सदस्य विद्यालयों को अनेक सुझाव दिए और सरकार द्वारा दिए गाइडलाइन का पालन करने का अनुरोध किया। सचिव अमित कुमार ने प्रतिभा खोज प्रतियोगिता परीक्षा के सफल संचालन के लिए सदस्यों को कई गुर बताए। इस अवसर पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष द्वारा विद्यालय के निदेशक को प्रस्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए।बैठक में सदस्य प्राचार्य बिट्टू जी द्वारा आगत सदस्यों का स्वागत किया गया और अनिल सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। अध्यक्ष अवनीश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुए इस बैठक में सचिव अमित कुमार, उपाध्यक्ष राजीव झा, कोषाध्यक्ष प्रभात रंजन, कार्यकारिणी सदस्य बिट्टू कुमार, विकास कुमार, ललित कुमार, विकास कुमार, नवल किशोर सिंह, दुर्गेश कुमार, रजनीश कुमार रंजन, इंद्रभूषण कुमार, सुशील कुमार, शशि कुमार, प्रभाष कुमार ठाकुर, संतोष कुमार, सहित 25 सदस्यों ने भाग लिया।

15 जुलाई को 6 घंटे का मेगा ब्लॉक, तीनों रेल खंड पर ट्रेन सेवा ठप

संवाददाता

सहरसा: शहर के मध्य बंगाली बाजार रेलवे ढाला अब हमेशा के लिए बंद कर दिया जाएगा लेकिन इससे पूर्व बंगाली बाजार से थाना चौक को जोड़ने वाली एप्रोच रोड लोगो के लिए चालू कर दिया जाएगा। इसके बाद फाटक संख्या 31 सदा के लिए बंद हो जाएगा।लेकिन इन सब से पहले सिगनल व्यवस्था को दुरुस्त करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है।जिसके अंतर्गत 15 जुलाई बुधवार को करीब 6 घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा।इस दौरान सहरसा मानसी सहरसा सुपौल और सहरसा पूर्णिया रेलखंड पर सिगनलिंग व्यवस्था फेल रहेगी जिससे तीनों रेलखंड पर ट्रेन परिचालन पूर्णतः ठप रहेगी जिस करण सहरसा सुपौल रूट पर लगभग सभी पैसेंजर ट्रेने रद्द रहेगी। जबकि मेल एक्सप्रेस ट्रेन को रेगुलेट किया गया है।

वही सहरसा मानसी और सहरसा पूर्णिया रेलखंड पर पैसेंजर ट्रेन को रद्द किया गया है। साथ ही मेल एक्सप्रेस ट्रेन को रीशेड्यूल किया गया है। इसके अलावा कई मेल एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेन को शॉर्ट टर्मिनेट भी किया गया है। रेल अधिकारी के अनुसार बंगाली बाजार 31 पर सिगनलिंग सिस्टम सेटअप करने के लिए 15 जुलाई को एन आई वर्क किया जाएगा। जिसके कारण 6 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। रेल अधिकारियों के अनुसार ललित ग्राम नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस और सुपौल सहरसा पटना राज्यरानी एक्सप्रेस निकालने के बाद सुबह 8 बजे से मेगा ब्लॉक लिया जाएगा।

सर्वदलीय अनुश्रवण समिति के गठन से ही व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार है संभव : अमरनाथ गामी

संवाददाता

दरभंगा। सर्वदलीय अनुश्रवण समिति के गठन से ही व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार संभव पूर्व विधायक अमरनाथ गामी दरभंगा के पूर्व विधायक, अमरनाथ गामी ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा विपक्ष को निगरानी व्यवस्था से बाहर रखना लोकतंत्र को बीमार कर रहा है। अधिकारी बेलगाम हो गए हैं और सिस्टम जवाबदेह नहीं बन पा रहा है, क्योंकि 55-60 प्रतिशत जनता के प्रतिनिधियों को समीक्षा में कोई स्थान नहीं मिला है। श्री गामी ने कहा सरकार कानून सबके लिए बनाती है ताकि विकास की किरण हर पात्र लाभुक तक पहुँच सके। सत्ता और विपक्ष, दोनों के वोटरों को उसका लाभ मिलता है। फिर क्रियान्वयन में सत्ता और विपक्ष का नजरिया अलग अलग हो, यह उचित नहीं है, गलत है तो सबके लिए गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया अधिकारी सत्ता का अंग नहीं है, व्यवस्था का अंग है। विभागीय घोटाले का आरोपी अधिकारी है, फिर सत्ता को दोषी ठहराना गलत है। समीक्षा में विपक्ष की उपस्थिति होती तो व्यवस्था ईमानदार होती। श्री गामी ने समाधान स्वरूप "त्रि-स्तरीय सर्वदलीय अनुश्रवण समिति" के गठन का प्रस्ताव रखा। जिसमे राज्य स्तरीय समिति- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में नेता प्रतिपक्ष, सभी मान्यता प्राप्त दलों के प्रदेश प्रतिनिधि, मुख्य सचिव एवं एक वरिष्ठ पत्रकार। सत्ता चाहे तो प्रतिष्ठित नागरिकों को नॉमिनेट कर सभी स्तर पर समिति का गौरव बढ़ा सकती है। जिला समिति- सांसद, विधायक, निकटतम हारे हुए सांसद और सभी दलों के जिला अध्यक्ष। ब्लॉक समिति- विधायक, हारे हुए विधायक सभी दलों के प्रखंड अध्यक्ष या पार्टी द्वारा नामित व्यक्ति और एक वरिष्ठ पत्रकार। पंचायत अनुश्रवण समिति- इसी तर्ज पर गठन से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। श्री गामी ने कहा सदस्य के सुझाव को इग्नोर नहीं किया जा सकता है। बैठक में दलीय व्यक्ति लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में जुड़ेंगे। न कोई दलीय बयानबाजी होगी ना श्रेय लेने की होड़। सत्ता और विपक्ष लोकतंत्र के रथ के दो पहिए हैं। दोनों टंच होंगे, तभी रथ चलेगा। उन्होंने कहा इस व्यवस्था से भ्रष्टाचार में कमी आएगी, जनता का नेताओं पर विश्वास लौटेगा, चुनाव खर्च कम होगा और गलत लोग राजनीति से बाहर होंगे। श्री गामी ने सभी राजनीतिक दलों से दलगत भावना से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव पर विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा नीतिगत व्यवस्था पर राजनीति का मतलब है गलत व्यवस्था का प्रतिस्थापन।

बिजली आपूर्ति में सुधार को लेकर एसडीओ ने किया क्षेत्र का निरीक्षण, 11 हजार वोल्ट लाइन का लिया जायजा

संवाददाता

केवटी। प्रखंड क्षेत्र में लगातार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति को लेकर सोमवार को विद्युत विभाग के एसडीओ चिंटू पांडे ने प्रखंड के फूलकाही, केवटी, लदारी, लालगंज सहित अन्य गांवों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने 11 हजार वोल्ट विद्युत लाइन की स्थिति का जायजा लिया और बिजली आपूर्ति में आ रही तकनीकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कर्मियों से लाइन की खराबियों एवं बार-बार हो रही बिजली बाधित होने के कारणों की जानकारी ली। एसडीओ ने स्थानीय विद्युत जेई कमलेश कुमार को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए 11 हजार वोल्ट लाइन के अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाना विभाग की प्राथमिकता है। जहां भी तकनीकी खराबी या अन्य समस्या मिलेगी उसका त्वरित समाधान किया जाएगा । इस मौके पर मानव बल सकलदेव यादव राहुल झा, सूरज झा आदि उपस्थित थे।

श्रीव्यास गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर उत्सव समिति कार्यालय में बैठक आयोजित

संवाददाता

सहरसा: आगामी श्रीव्यास गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को विनोबा आश्रम, पूरब बाजार, सहरसा स्थित उत्सव समिति कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामकुमार सिंह ने की, जबकि संचालन उत्सव समिति के सदस्य ज्योति कुमार सिंह ने किया। बैठक में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर एवं बैनर का लोकार्पण किया गया। साथ ही महोत्सव के निमंत्रण-पत्र के वितरण अभियान की शुरूआत करने का निर्णय लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए ज्योति कुमार सिंह ने बताया कि महोत्सव में मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रण-पत्र भेजे जा चुके हैं तथा उनकी स्वीकृतियाँ भी प्राप्त होनी प्रारंभ हो गई हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में जगतगुरु परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित राज्यस्तरीय बैठक में सभी समितियों को सेवा कार्य हेतु स्वयंसेवकों की सूची व्हाट्सएप के माध्यम से शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। अब तक नागरह समिति एवं भक्ति पीठ बगछप्पर समिति द्वारा स्वयंसेवकों की सूची प्राप्त हो चुकी है, जबकि अन्य समितियों से भी शीघ्र सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के व्यापक जनसंपर्क एवं प्रचार-प्रसार के

लिए सहरसा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रचार रथ निकाला जाएगा। बैनर पोस्टर को अन्य प्रचार सामग्री सभी समितियों को पिंटू तिवारी भेजने का दायित्व दिया गया। जिससे अधिकाधिक श्रद्धालुओं तक महोत्सव की जानकारी पहुँचाई जा सके। बैठक में उपस्थित सभी गुरु भक्तों ने महोत्सव को भव्य, दिव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए तन, मन और धन से सहयोग देने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में उत्सव समिति के सदस्य पंडित मनमोहन झा, विप्लव रंजन, गुड्डू तिवारी, वार्ड पार्षद आशीष रंजन सिंह, अजीत कुमार प्रीतम, चुन्ना सिंह, राजेश कुमार श्रीवास्तव, अन्नु सिंह, गुंजेश कुमार सिंह, सुभाष कुमार सिंह, राहुल कुमार सिंह, पंकज कुमार झा, गोविन्द माधव, अनोज कुमार बबन, ओमप्रकाश सिंह, शौर्य तिवारी, रोहित सिंह टिसू एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विशेष अभियान में सहरसा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

सहरसा: माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत गैर जमानतीय वारंट के आलोक में कनरिया थाना द्वारा कैलास यादव, छठू यादव, सा0-सुखासनी, बेचन महातो, पे0-भुवनेश्वर महतो, सा0-निमार टोला, थाना-कनरिया, जिला-सहरसा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सहरसा में उपस्थापन हेतु भेजा गया है। वही माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत गैर जमानतीय वारंट के आलोक में सौरबाजार थाना द्वारा जयकांत साह, पे0-तुरही साह, सा0-बखड़ी, ललन ठाकुर, पे०-जगदीप ठाकुर, सा0-खैरा, दोनों थाना-सोनवर्षा राज, जिला-सहरसा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सहरसा में उपस्थापन हेतु भेजा गया है। माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत गैर जमानतीय वारंट के आलोक में बिहरा थाना द्वारा ललटू कुमार, पे0-मंगल यादव, सा0-सहरबा, थाना-

पिछले चौबीस घंटे में कुल चालीस गिरफ्तार

बिहरा, जिला-सहरसा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सहरसा में उपस्थापन हेतु भेजा गया है। साथ

ही नवहट्टा थाना द्वारा राम यादव, पे0-स्व0 धनई यादव, सा0-चेदली पुनरवा, थाना-नवहट्टा, जिला-सहरसा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सहरसा में उपस्थापन हेतु भेजा गया है। वही बसनही थाना द्वारा तुलसी मंडल, पे0-चुल्हाई मंडल, सा0-पचलख वार्ड नं0-04, बसनही, जिला-सहरसा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सहरसा में उपस्थापन हेतु भेजा गया है। आरक्षी अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बताया कि सहरसा पुलिस की सक्रियता एवं तत्परता के कारण विगत चौबीस घंटे में कुल 40 लोगो को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें कुल गिरफ्तार कर 20 लोगो को जेल भेजा गया। वही रिकॉल पर 20 लोगों को मुक्त किया गया। साथ ही 2 कुर्की निष्पादन, 10 इश्तिहार निष्पादन, 138 वारंट निष्पादन, 50 समन निष्पादन के साथ साथ देशी शराब 6 लीटर अवैध शराब की बरामदगी व 12.6 लीटर प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप एवं 3 लोगों को मद्यनिषेध के कांड में गिरफ्तार किया गया है।उन्होने बताया कि आर्म्स एक्ट के कांड में एक तथा चोरी के कांड में एक व विविध के कांड में एक तथा वाहन जांच एंव शमन की चार हजार राशि वसूल की गई।

ऐतिहासिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ "कोशी रत्न सम्मान समारोह-2026

▶ हजारों कोशीवासियों की उपस्थिति में सांसद दिनेश चंद्र यादव हुए "कोशी रत्न-2026" से सम्मानित ▶ कोशी युवा संघर्ष मोर्चा ने कार्यक्रम की सफलता हेतु जताया आभार

संवाददाता

सहरसा: कोशी क्षेत्र के सामाजिक एवं विकासवादी इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया, जब कोशी विकास संघर्ष मोर्चा, सहरसा द्वारा आयोजित भव्य "कोशी रत्न सम्मान समारोह-2026" में हजारों कोशीवासियों की गरिमामयी उपस्थिति के बीच माननीय सांसद श्री दिनेश चंद्र यादव को "कोशी रत्नझ2026" सम्मान से अलंकृत किया गया।रेनबो रिसोर्ट, जिला परिषद, सहरसा का सभागार जनसैलाब से खचाखच भरा रहा। कोशी क्षेत्र के विभिन्न जिलों से आए जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, व्यापारियों, मातृशक्ति एवं युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने समारोह को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

समारोह की अध्यक्षता कोशी विकास संघर्ष मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी व्यक्ति या दल का नहीं, बल्कि कोशी क्षेत्र के विकास, जनसेवा और जनभावनाओं का सम्मान है। उन्होंने सांसद दिनेश चंद्र यादव के सार्वजनिक जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए मानसी-सहरसा रेलवे लाइन के

दोहरीकरण, मानसी-सिमरी बख्तियारपुर-हरदी चौघारा राज्य उच्च पथ तथा एम्स सहरसा की मांग को संसद एवं अन्य मंचों पर उठाने में उनके सहयोग का उल्लेख किया।इसके उपरांत संस्थापक अध्यक्ष विनोद कुमार झा एवं संरक्षक प्रवीण आनंद ने माननीय सांसद को मिथिला की पारंपरिक पाग, अंगवस्त्र, चादर, प्रशस्ति-पत्र एवं "कोशी रत्न-2026" सम्मान प्रदान किया।

सम्मान ग्रहण करते हुए सांसद दिनेश चंद्र यादव ने इसे अपने सार्वजनिक जीवन का अत्यंत भावुक एवं अविस्मरणीय क्षण बताया तथा कहा कि यह सम्मान उन्हें कोशी क्षेत्र की सेवा के लिए और अधिक ऊर्जा एवं प्रेरणा देगा। उन्होंने विनोद कुमार झा, प्रवीण आनंद, आयोजन समिति एवं समस्त कोशीवासियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए अपने द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं को विस्तार से रखा, जिसका उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों से स्वागत किया।कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष चन्द्रदेव मुखिया एवं जदयू के वरिष्ठ नेता अक्षय झा ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक अरुण कुमार यादव, भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्र यादव, डॉ. प्रो. रामचंद्र मंडल, डॉ. रामनरेश सिंह, मनीष कुमार, दीपिका शेखर, विनय कुमार, अमर यादव, विनीत कुमार सिंह, रितेश रंजन, रामरतन ऋषिदेव, दिलीप चौधरी, रेशमा शर्मा, रचना प्रकाश, शबनम कुमारी, ओमप्रकाश नारायण, अमीर राम, प्रो. हरिनारायण यादव, अर्जुन चौधरी, घनश्याम चौधरी, सुशील यादव, शैलेन्द्र शैली, मो. मुख्तार आलम, शेर अफगान मिर्जा, मोहिउद्दीन राईन, सी.एम. झा, इस्तियाक खां, रामसुन्दर साहा, जवाहर ठाकुर, विकास कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, मोहन साह, अमित केशरवानी, रंजीत यादव, राजीव रंजन साह, भगवान ठाकुर, डॉ. श्याम कुमार पौद्दार, डॉ. विजय शर्मा, मोहम्मद मसरूर तथा शिवचंदन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए।अंत में कोशी विकास संघर्ष मोर्चा के संरक्षक श्री प्रवीण आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं हजारों की संख्या में उपस्थित कोशीवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कहा कि मोर्चा भविष्य में भी एम्स सहरसा एवं कोशी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपना जनसंघर्ष निरंतर जारी रखेगा।कोशी विकास संघर्ष मोर्चा की ओर से संस्थापक अध्यक्ष विनोद कुमार झा एवं संरक्षक प्रवीण आनंद ने "कोशी रत्न सम्मान समारोह-2026" की ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व सफलता के लिए सभी सम्मानित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों, मीडिया बंधुओं, प्रशासन, आयोजन समिति, स्वयंसेवकों तथा हजारों की संख्या में उपस्थित कोशीवासियों के प्रति हृदय की गहराइयों से हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समारोह सम्पूर्ण कोशी की एकता, सम्मान और विकास के संकल्प का प्रतीक है तथा भविष्य में भी जनहित के ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 13 में बन रहे पार्क एवं तालाब का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

संवाददाता

सहरसा: नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 13 स्थित न्यू कॉलोनी में सरकार एवं एनजीटी के आदेश पर भव्य एवं सुंदर पार्क का निर्माण किया जा रहा है। सोमवार को नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा ने इसका स्थलीय निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि एनजीटी के द्वारा एक महीने के अंदर कार्य पूर्ण होने का वीडियो फोटो उपलब्ध कराए जाने का निर्देश मिला। ऐसे में अगर इस कार्य के लिए निविदा निकाली जाती उसमें दो से तीन महीने का अतिरिक्त समय लग जाता ।ऐसे में सरकार एवं एनजीटी के आदेश पर नगर निगम द्वारा विभागीय काम कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक 10 बार से अधिक तालाब की पानी व कचरा सफाई कराया जा चुका है ।

इस तालाब के चारों ओर डॉक्टर एवं क्लिनिको का भरमार है। ऐसे में सारा कचरा इसमें फेंका जा रहा था जिसे नगर निगम द्वारा मजदूर लगाकर इसकी साफ सफाई करवाई गई। इसके साथ ही पानी की भी सफाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह शहर का सबसे बेहतरीन पार्क बनेगा। उन्होंने बताया कि तालाब के चारों ओर पेड पौधा व ग्रिल लगाकर घेराबंदी की गई है। वही सीसीटीवी डेकोरेटिव लाइट्स फाउंटेन के साथ-साथ इसमें मछली पालन किए जाने की भी योजना है। यह शहर का सबसे खूबसूरत पार्क बनेगा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए रेलवे द्वारा टेस्टेड टाइल्स लगाया जा रहा है। नगर आयुक्त ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि इस पोखर एवं पार्क को साफ सफाई रखने में अपना सहयोग व समर्थन दें। उन्होंने कहा कि पार्क एवं तालाब सौन्दर्यीकरण होने के पश्चात काफी आकर्षक एवं रमणीक होगा जहां लोग छठ एवं अन्य धार्मिक कार्य के साथ-साथ सुकून के दो पल भी बिता सकेंगे।

15 जुलाई बुधवार से मनाई जाएगी आषाढ मास की गुप्त नवरात्रिः- पंडित तरुण झा

संवाददाता

सहरसा: शहर के डा रहमान चौक स्थित ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान एवं फाउंडेशन सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा ने बताया की आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आषाढ गुप्त नवरात्रि का आरंभ होता है। इस साल आषाढ़ गुप्त नवरात्रि

15 जुलाई यानि बुधवार से शुरू हो रही है, एवं 24 जुलाई शुक्रवार को विजयादशमी होगा ! धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि का बड़ा ही महत्व है, ज्ञात हो कि वर्ष में आदि शक्ति मां भगवती की उपासना के लिए चार नवरात्रि आती है, इसमें दो गुप्त एवं दो उदय नवरात्रि होती हैं, चैत्र और अश्विन मास की नवरात्रि उदय नवरात्रि के नाम से जानी जाती है, आषाढ़ और माघ की नवरात्रि गुप्त नवरात्रि के नाम से जानी जाती है, मान्यता के अनुसार गुप्त नवरात्रि के दौरान अन्य नवरात्रि की तरह प्रतिपदा से नवमीं तक प्रतिदिन सुबह-शाम मां दुर्गा की आराधना एवं आरती करनी चाहिए, इन नवरात्रि में 10 महाविद्याओं का पूजन होता है, ये नवरात्रि तंत्र साधना के लिए बहुत अधिक महत्व रखती है। क्या है गुप्त नवरात्रिः- गुप्त नवरात्रि किसी खास मनोकामना के लिए तंत्र साधना हेतु विशिष्ट पर्व है, किंतु अन्य नवरात्रि की तरह ही इसमें भी व्रत-पूजा, पाठ, किया जाता है, इस दौरान साधक देवी दुर्गा को प्रसन्न करने के अनेक उपाय करते हैं, इसमें दुर्गा सप्तशती पाठ, दुर्गा चालीसा, दुर्गा सहस्त्रनाम का पाठ काफी लाभदायक माना गया है। यह नवरात्रि धन, संतान सुख के साथ-साथ शत्रु से मुक्ति दिलाने में भी कारगर है।गुप्त नवरात्रि मे साधक दस महाविद्या की देवियों को प्रसन्न करने एवं शक्ति साधना संयचन किया जाता है।ज्ञात हो कि आषाढ मास की गुप्त नवरात्रि के दौरान जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा एवं भगवान बलराम की रथयात्रा निकाली जाती है।

शिक्षा और शिक्षण जीवन की अनमोल वृत्तिः एन के झा

डीएलएड प्रथम वर्ष के विद्यालय अनुभव कार्यक्रम का समारोह पूर्वक समापन

संवाददाता

सहरसा: ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के डीएलएड सत्र -2025-27 प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों का अठाईस दिवसीय विद्यालय अनुभव कार्यक्रम का समारोह पूर्वक समापन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर डोमन साह मध्य, प्राथमिक विद्यालय सिमराहा, मध्य विद्यालय झपरा टोला, मध्य विद्यालय बैजनाथपुर, मध्य विद्यालय सुचना साह सहित अन्य विद्यालय में एक साथ समापन समारोह आयोजित किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ नागेन्द्र कुमार झा, विशिष्ट अतिथि के रूप में डोमन साह मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापिका संगीता कुमारी सहित सभी विद्यालय प्रधानाध्यापक ईस्ट एन वेस्ट के सहायक प्राध्यापक सह जन संपर्क पदाधिकारी अभय मनोज पर्यवेक्षक श्रीनिवास, संतोष कुमार, अखिलेश कुमार, अंशु राज सहित अन्य प्राध्यापकों को प्रशिक्षुओं की ओर से पाग, चादर भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया गया .

समापन समारोह को संबोधित करते प्राचार्य ने सभी प्रशिक्षु से निष्ठा पूर्वक शिक्षण-प्रशिक्षण कार्य ग्रहण करने की बात कहा।उन्होंने कहा जिसके अंदर निरंतर स्वाध्याय की प्रवृत्ति हो वही शिक्षक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकते हैं। कहा शिक्षण वृत्ति जीवन का सबसे अनमोल वृत्ति है इसलिए शिक्षक को कर्तव्यनिष्ठ होकर अपने मयार्दा का हमेशा ख्याल रखना चाहिए, और देश निर्माण में अपनी भूमिका निभाना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने डीएलएड प्रशिक्षिओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अठाईस दिवसीय विद्यालय अनुभव कार्यक्रम को लेकर सभी प्रशिक्षुओं का तारिफ किया। समापन समारोह को प्राध्यापक सह जन संपर्क पदाधिकारी अभय मनोज ने संबोधित करते हुए एक आदर्श शिक बनने की दिशा में सभी प्रशिक्षुओं के कार्य कुशलता की तारीफ करते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना किया।

सौर बाजार सुहथ के सुनसान घर में लाखों की भीषण चोरी, बरामदगी की मांग

संवाददाता

सहरसा: सौर बाजार प्रखंड स्थित सुहथ भरना वार्ड नंबर 16 निवासी पीताम्बर मिश्र ने भीषण चोरी की शिकायत कर थाने मे प्राथमिकी दर्ज कराई है।दिए गए आवेदन में कहा कि मैं पटना में रह रहा हूं और मेरी पत्नी

गाँव में रहती है।जो सौर बाजार अपने माँ की श्राद्धकर्म में शामिल होने आयी थी। मुझे सुबह में चचेरे भाई विनय मिश्र के द्वारा मोवाईल से फोन किया गया कि रात्रि को आपके घर में चोरी हो गया है। फिर में अपनी पत्नि को सौर बाजार में फोन किया तब वह मेरे साले के लड़का के साथ गाँव गई। वहाँ कमरों का ताला कुंडी टूटा हुआ था। साथ ही ट्रंक एवं बक्सा का ताला नहीं टूटने पर कब्जा खोलकर सारा सोना एवं चाँदी का गहना, नगदी एवं नये कपड़े एवं साड़ी की चोरी कर ले गया। मेरे साले के लड़का द्वारा 112 पर फोन किया गया, पूलिस पहुँचने पर जानकारी मेरे पत्नि के द्वारा दी गई थी।मैं रात्रि 12 बजे पटना से पहुंचा और सारी जानकारी पत्नि द्वारा दी बहुमूल्य समानों की चोरी हुई। जिसमे सोने की दो अशर्फी जिसका वजन- २५१ एक जोडी झुमका =118 गले की चेन, एक मंगल सुत्र-5g मंगटीका एवं नथिया हनुमानी, एवं कान की बाली कुल सोना की आयुषण : 978 ग्राम है एवं चाँदी की आभूषण में चेन तीनपीस- 150g. कलम हनुमानीः चाँदी का सिक्का एक पायल-1 चाँदी का आभूषण एवं नगदी सत्तर हजार रुपया सहित अन्य सामान है।आवेदक ने उपरोक्त वस्तुओं की बरामदगी करवाने की गुहार लगाई है।

हथियार व गोली के साथ एक गिरफ्तार

मकदूम चक नहर के पास गश्ती के दौरान पुलिस ने दबोचा, कमर से कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद; आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: बख्तियारपुर थाना पुलिस ने बड़ी आपराधिक घटना की आशंका को समय रहते विफल करते हुए हथियार और जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक देशी कट्टा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

गिरफ्तार युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सोमवार को सहरसा न्यायालय भेज दिया गया। सोमवार को बख्तियारपुर थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि रविवार को थाना के पुलिस अवर निरीक्षक (पुअनि) रामनाथ पासवान गश्ती पर थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि थाना

क्षेत्र के मकदूम चक नहर के समीप एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुअनि रामनाथ पासवान के नेतृत्व में दारोगा सुधीर कुमार, दारोगा स्वीटी कुमारी एवं अन्य पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की गई। पुलिस टीम को देखते ही संदिग्ध युवक घबराने लगा, जिसके बाद उसे पकड़कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान युवक की कमर से एक कट्टा बरामद हुआ। कट्टे को अनलोड करने पर उसमें से एक जिंदा कारतूस भी मिला। इसके बाद पुलिस ने युवक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और हथियार व कारतूस को जब्त कर थाना ले आई। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवक ने अपनी पहचान बरहकुरवा निवासी गोदो मुखिया के पुत्र धीरज के रूप में बताई। एसडीपीओ ने बताया कि आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। सोमवार को उसे न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सहरसा न्यायालय भेज दिया गया। एसडीपीओ ने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए लगातार वाहन जांच, गश्ती एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी की जा रही है। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रेस वार्ता के दौरान प्रभारी थानाध्यक्ष अमित कुमार, दारोगा स्नेहा कुमारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

भारत बन रहा एजुकेशन हब पांच वर्षों में 20 प्रतिशत बढ़े विदेशी छात्र छात्राए : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा से भाजपा सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर भारत का चतुर्दिक डंका बज रहा है। आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक रूप के क्षेत्र में विभिन्न मुद्दों पर देश को मिली सफलता के बाद अब शैक्षणिक जगत में भारत ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया है जो देश के लिए गर्व का विषय है। शिक्षा मंत्रालय के अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण स्टडी इन इंडिया के द्वारा जारी किए गए है। आंकड़ों पर भाजपा सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा भारत की ज्ञान परंपरा की प्राचीन गरिमा फिर से जीवंत किया जा रहा है। भारत में विदेशी छात्र छात्राओं की टॉप हिस्सेदारी इसका ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा एशिया, अफ्रीका, यूरोप सहित 173 देशों के 58134 छात्र छात्राओं का उच्चतर शिक्षा के लिए यहां के शिक्षण संस्थानो में दाखिला लेना इस बात के परिचायक है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है। भारत अब केवल अपने छात्रों के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया भर के युवाओं के लिए भी उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है और यदि शोध, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक रैंकिंग में जिस तरह से निवेश किए जा रहे हैं। सांसद डा ठाकुर ने स्टडी इंडिया के सर्वेक्षण को शिक्षा जगत के लिए एक आईना बताते हुए कहा भारत की अपेक्षाकृत किफायती शिक्षा, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई, वैश्विक स्तर पर बेहतर होती संस्थागत साख के कारण यूएई, अमेरिका, बांग्लादेश, नाइजीरिया, जिम्बाब्वे, नेपाल, मंगोलिया जैसे देशों के छात्र छात्राओं का यहां के शिक्षण संस्थानो को पसंद किया जा रहा है जो एक नया रिकॉर्ड है।

एनएच-727 पर जानलेवा गड्ढे, हर पल हादसे का खतरा; लोगों ने की तत्काल मरम्मत की मांग

संवाददाता

लौरिया: लौरिया-बगहा मुख्य सड़क (एनएच-727) पर मकरी मुहल्ला मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप सड़क की बदहाल स्थिति राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन बस, ट्रक, ऑटो, चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों का भारी आवागमन होता है। गड्ढों के कारण वाहनों को धीमी गति से गुजरना पड़ता है। कई बार ऑटो और अन्य छोटे वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं, जबकि बाइक सवारों के गिरकर घायल होने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। स्थानीय निवासी संजय कुमार, अनिल कुमार, आशीष कुमार, मनोहर ठाकुर, रंजीत कुमार, श्याम कुमार, मंटू कुमार, लालबाबू प्रसाद, किशोर साह और राजेश साह सहित अन्य लोगों ने बताया कि केवल पेट्रोल पंप के समीप ही नहीं, बल्कि हनुमान मंदिर के सामने भी सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। उनका कहना है कि यह सड़क लौरिया और बगहा को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। इसके बावजूद अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। इस सम्बंध में पथ निर्माण विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि सड़क पर बने गड्ढों की जानकारी विभाग को प्राप्त हुई है। संबंधित स्थल का निरीक्षण कराया जाएगा। बरसात के बीच जहां संभव होगा वहां तत्काल पैचवर्क कराया जाएगा तथा मौसम अनुकूल होते ही स्थायी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके।

सबका सम्मान, जीवन आसान के तहद जनता दरवार

संवाददाता

बेगुसराय: बिहार सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित "सबका सम्मान, जीवन आसान" अभियान के तहत सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए।जनता दरबार में कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, सीमांकन, अतिक्रमण, राजस्व प्रशासन से संबंधित मामले तथा अन्य विभागीय शिकायतें शामिल थीं। जिला पदाधिकारी ने सभी आवेदनों का क्रमवार अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक एवं त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिकायतों का शीघ्र एवं संतोषजनक निष्पादन सुनिश्चित करना होगा।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त आवेदनों की निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक आवेदक को कार्रवाई की प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराया जाए। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा ऐसे मामलों की सतत निगरानी की जाएगी।

बेगूसराय द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर के तत्वावधान में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संवाददाता

बछवाड़ा बेगुसराय: जिले में द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर के तत्वावधान में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह जिला प्रशिक्षण शिक्षण संस्थान (डायट), शाहपुर बेगूसराय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री आकाश कुमार (बि.शि.से) राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित श्री संत कुमार साहनी जी, माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ सुरेश राय, व डायट के व्याख्याता श्री अर्जुन पासवान जी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया' कार्यक्रम का संचालन शिक्षक आनंद त्रिवेदी (जिला मीडिया प्रभारी टीबीटी मंच बेगूसराय), डॉ मनोरंजन राय, रानी चौधरी, व गौरव पाठक सर ने किया' नवाचारी शिक्षा के बारे में संबोधित करते हुए श्री संत कुमार साहनी जी ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए संदेश दिया कि शिक्षा में नवाचार का अर्थ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रुचिकर और छात्र-केंद्रित बनाने के लिए नई तकनीकों, विधियों और विचारों को अपनाना है और इसका मुख्य उद्देश्य रटने की पुरानी परंपरा को खत्म करके विद्यार्थियों में रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान का विकास करना है वही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री आकाश कुमार जी ने द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर बेगूसराय टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से नवाचारी शिक्षकगण जुड़ते है जिससे शिक्षा जगत में नवाचार को बढ़ावा मिलता है.

योग तन, मन और आत्मा में समन्वय करने वाला एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा का काफी महत्त्वपूर्ण एवं अति प्रासंगिक धरोहर : प्रो. संजय कुमार चौधरी

योग जीवन जीने की कला तथा तन एवं मन में समन्वय का विज्ञान जो आत्म शुद्धि, मान पर नियंत्रण एवं मोक्ष प्राप्ति का माध्यम : प्रो. कुसुम कुमारी

संवाददाता

दरभंगा। विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग के तत्त्वावधान में नरगौना प्लेस जुबली हॉल में योग के माध्यम से आरोग्य, आनन्द भारतीय ज्ञान-परम्परा की अन्तर्निहित प्रज्ञा विषय पर भारतीय दार्शनिक अनुसंधान केन्द्र (आईसीपीआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा हाइब्रिड मोड में प्रायोजित निःशुल्क राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कही। कुलपति ने कहा योग तन, मन और आत्मा में समन्वय करने वाला तथा हमारी भारतीय ज्ञान-परंपरा का काफी महत्त्वपूर्ण एवं जनोपयोगी उपहार एवं धरोहर है। उन्होंने एनएसएस समन्वयक द्वय को निर्देशित किया वे आर्ट ऑफ लिविंग, दरभंगा के साथ मिलकर विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय शिविर का आयोजन करें। यदि आर्ट ऑफ लिविंग के सात बिन्दुओं का समुचित ज्ञान एवं उनपर ठीक से प्रयोग हो तो जीवन की आधी समस्याएं स्वतः दूर हो जाएंगी। मुख्य वक्ता के रूप में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की पूर्व दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्षा, प्रति-कुलपति प्रो कुसुम कुमारी ने कहा मिथिला विद्वानों

की धरती रही है। योग हमारी प्राचीन धरोहर एवं संस्कृति है, जिसमें काफी शक्ति होती है। यह आत्मशुद्धि, मन पर नियंत्रण एवं मोक्ष-प्राप्ति का माध्यम है। हमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ एवं समृद्ध बनाता है। यह जीवन जीने की कला और तन एवं मन में समन्वय का विज्ञान है।

इन्द्रियों को नियंत्रित करने वाला योग विज्ञान, अध्यात्म के बीच मजबूत सेतु काम करता है। इससे स्मरणशक्ति एवं एकाग्रता बढ़ती है, मन स्थिर होता है, जीवन आनन्दमय, रोग नियंत्रित होता है। भारत के विश्व-गुरु बनने में योग की काफी भूमिका है। उन्होंने कहा योग हमारे तन, मन एवं आत्मा को शुद्ध करता है और आत्मा को परमात्मा से मिलाता है।

बेनीपुर के विधायक, प्रो विनय कुमार चौधरी ने कहा योग के क्षेत्र में बिहार लम्बे समय से शिरमोर्य रहा है। योगाभ्यास से बिहार की समृद्ध परंपरा आगे बढ़ेगी। आमंत्रित वक्त के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग के बिहार प्रभारी आनन्द प्रकाश राय ने कहा सकारात्मक को बढ़ाने एवं मस्तिष्क पर नियंत्रण करने के लिए योग जरूरी है। उन्होंने योग की भूमिका को रेखांकित करते हुए से कई व्यावहारिक उदाहरणों से समझाया। उन्होंने कुलपति के आग्रह पर एनएसएस के सहयोग से विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग शिविर लगाने पर सहमति दी। विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं विशिष्ट वक्ता डॉ रुद्र कान्त अमर ने कहा संपूर्ण भगवद्गीता योगमय है, जिसके सभी अध्यायों के नाम में योग से जुड़ा है। कहा कि पतंजलि- योग और गीता-योग में अंतर है। पतंजलि ने मन पर नियंत्रित करने वाला, जबकि गीता कार्यों में कुशलता को योग माना है। गीता मनोविज्ञान है जो हमें बुद्धियोगी बनती है। राष्ट्रीय सेमिनार का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रारंभ में विश्वविद्यालय का कुलगीत तथा अन्त में राष्ट्रगान हुआ। अतिथियों द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गया। सेमिनार संयोजक डॉ प्रियंका राय के संचालन में आयोजित उद्घाटन सत्र में अतिथि स्वागत दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ शिखर वासिनी ने धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत-प्राध्यापक डॉ आर एन चौरसिया ने किया।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिशन मोड में सफल बनाने के लिए डीएम ने की समीक्षा बैठक

15 अगस्त तक चिन्हित पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य

संवाददाता

दरभंगा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान को मिशन मोड में सफल बनाने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी, कौशल कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी स्वास्थ्य पदाधिकारियों को अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा प्रतिदिन 15 हजार लोगों की गुणवत्तापूर्ण स्क्रीनिंग, 2 हजार एक्स-रे तथा 500 सीबीएनएएटी जांच कराई जाए तथा सभी जांच एवं प्रगति प्रतिवेदन को समय पर निक्षय पोर्टल पर अपलोड किया जाए। केवल संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक स्क्रीनिंग गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी होनी चाहिए। निर्देश दिया के स्क्रीनिंग के दौरान चिन्हित संभावित मरीजों की सभी आवश्यक जांच समयबद्ध तरीके से कराई जाए तथा एनसीडीओ इसकी नियमित मॉनिटरिंग एवं समन्वय सुनिश्चित करें।

उन्होंने एनसीडीओ को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा करने को कहा। बैठक में सहायक समाहर्ता सुश्री कल्पना रावत, एनसीडीओ श्री सत्येंद्र प्रसाद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (स्वास्थ्य) प्रभात कुमार राजू, डीसीएम रवि कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

तीन दिन बाद श्मशान घाट के समीप मिली चोरी की ट्रैक्टर ट्रॉली, जेसीबी से निकाला वाहन; चोरों की तलाश तेज

संवाददाता

मझौलिया। थाना क्षेत्र के परसा पंचायत अंतर्गत डुमरिया गांव से तीन दिन पूर्व चोरी हुई आयशर ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने बरामद कर लिया है। हालांकि, चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, डुमरिया गांव वार्ड संख्या-7 निवासी परवेज आलम के दरवाजे पर खड़ी आयशर ट्रैक्टर-ट्रॉली शुक्रवार की देर रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। घटना के बाद पीड़ित ने मझौलिया थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई।सोमवार की सुबह रमपुरवा सरेह वार्ड संख्या-2 स्थित श्मशान घाट के समीप चारा काटने गए ग्रामीणों की नजर लावारिस हालत में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मझौलिया थाना की टीम मौके पर पहुंची। सरेह में फंसी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जेसीबी की मदद से बाहर निकालकर जब्त किया गया और थाना लाया गया।पुलिस की प्रारंभिक जांच में बरामद वाहन की पहचान परवेज आलम की चोरी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली के रूप में हुई। आशंका जताई जा रही है कि किसी कारणवश चोर वाहन को श्मशान घाट के समीप सरेह में छोड़कर फरार हो गए। थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर ली गई है। मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। साथ ही, चोरी में शामिल आरोपितों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपितों की गिरफ्तारी का भरोसा जताया है।

पूर्व जिला पार्षद सिकन्दर अली को अपराधी ने गोली मारी

संवाददाता

बरौनी बेगुसराय: राजद नेता व पूर्व जिला परिषद सदस्य मो. सिकंदर पर जानलेवा हमला, बदमाशों ने बरसाईं गोलियां, हालत नाजुक, शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, बाइक सवार तीन अपराधियों ने घेरकर की अंधाधुंध फायरिंग, पटना रेफर बेगूसराय जिले के फुलवड़िया थाना क्षेत्र में रविवार की रात अपराधियों ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती देते हुए पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता मो. सिकंदर अली पर जानलेवा हमला कर दिया। शोकहारा स्थित सिंधिया चौक फल मंडी के समीप बाइक सवार तीन हथियारबंद बदमाशों ने उन्हें घेरकर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। वारदात में मो. सिकंदर के कंधे और कमर में दो गोलियां लगीं। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें पहले बरौनी के एक निजी अस्पताल, फिर बेगूसराय और बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मो. सिकंदर रविवार की रात एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार तीन अपराधियों ने उन्हें निशाना

बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अपराधियों ने आठ से दस राउंड फायरिंग की। दो गोलियां मो. सिकंदर को लगीं, जबकि कई राउंड हवाई फायरिंग कर पूरे इलाके में दहशत फैला दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल नेता को अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेगूसराय रेफर किया। वहां से भी बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना भेज दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, उनके शरीर में फंसी गोलियां अभी तक नहीं निकाली जा सकी हैं और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद शोकहारा, बरौनी और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई। अस्पताल में समर्थकों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

राजद नेता पर हुए इस जानलेवा हमले से समर्थकों में आक्रोश है और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। डीएसपी कृष्ण कुमार ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे के कारणों की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

शैक्षणिक संस्थान का समग्र विकास उसकी गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना, आधुनिक संसाधनों, उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण पर आधारित : कुलपति

महिला शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा का सशक्तिकरण राज्य और समाज के समग्र विकास हेतु अत्यंत आवश्यक : प्रो. विनय कुमार चौधरी

संवाददाता

दरभंगा। डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में 13 जुलाई को संस्थान की नवनिर्मित अधोसंरचनाओं के उद्घाटन हेतु एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार, संस्थान के शिक्षकों, पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। संस्थान की नवनिर्मित अधोसंरचनाओं का उद्घाटन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी तथा बेनीपुर के विधायक, प्रो. विनय चौधरी द्वारा किया गया। अतिथियों ने परिसर का अवलोकन किया नवविकसित सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए संस्थान के विकास कार्यों की सराहना किया। अतिथियों का पारंपरिक मिथिला संस्कृति के अनुरूप आत्मीय स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो अजय नाथ झा द्वारा पाग, चादर एवं सिक्की कला से निर्मित आकर्षक फोटो फ्रेम भेंट कर किया गया। इस पारंपरिक सम्मान ने मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी सजीव रूप से प्रस्तुत किया। समारोह को विशिष्ट गरिमा प्रदान की। कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने कहा किसी भी शैक्षणिक संस्थान का समग्र विकास उसकी गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना, आधुनिक संसाधनों, उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण पर आधारित होता है। डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण तकनीकी संस्थान है जो छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने

के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं नवाचार के लिए प्रेरित कर रहा है। बेनीपुर विधायक, प्रो. विनय कुमार चौधरी ने कहा महिला शिक्षा, तकनीकी शिक्षा का सशक्तीकरण राज्य और समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। निदेशक प्रो अजयनाथ झा ने अपने स्वागत भाषण में सभी विशिष्ट अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन किया। संस्थान की उपलब्धियों, विकास योजनाओं, नवविकसित अधोसंरचनाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा संस्थान छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए उत्कृष्ट वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयासरत है। संस्थान की उप कुलसचिव डॉ प्रियंका राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

दरभंगा शहर में बुडको की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली के खिलाफ कांग्रेस का सात दिन का दिया है अल्टीमेटम : डॉ. जमाल हसन

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला कांग्रेस कमिटी (शहरी) के जिलाध्यक्ष, डॉ. जमाल हसन ने लहेरियासराय स्थित बुडको कार्यालय पर पहुंचकर परियोजना निदेशक को अव्यवस्थित खुदाई, धीमी कार्यप्रणाली एवं जनहित की उपेक्षा के विरुद्ध सात दिनों का चेतावनी पत्र सौंपा गया। उन्होंने कहा यदि निर्धारित अवधि के भीतर कार्यों में सुधार नहीं किया गया तो कांग्रेस आम जनता के साथ लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। दरभंगा नगर निगम क्षेत्र में बुडको द्वारा जलापूर्ति पाइपलाइन, नाला एवं अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर पूरे शहर में अव्यवस्थित ढंग से खुदाई की गई है। शहर के अनेक प्रमुख मार्गों और मोहल्लों में महीनों से सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं, जिससे आम नागरिकों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धूल, कीचड़, जलजमाव, जाम, पीने के पानी के पाईप कार्य के बिच टूट

जाते है उसे भी ठीक नहीं कराया जाता है। मौलागंज मे भी नाला निर्माण के दौड़ान पानी के लोगो के घरो वाले सप्लाई के पाइप टूटे लेकिन ठीक नहीं कराया पीने को पानी तो मिलना हुआ बंद लेकिन वही पानी सड़को पर यूही बहती है सुबह और शाम और हजारों लीटर पानी की हो रही है बबार्दी। वही कई तरह की दुर्घटनाओं की आशंकाए लगातार बनी रहती है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है स्कूली बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों और व्यापारियों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिन सड़कों के निर्माण के लिए महीनों पहले टेंडर जारी हो चुके हैं, लेकिन वहा अब तक काम शुरू नहीं किया गया। इससे न केवल विकास कार्य प्रभावित हुए हैं, बल्कि शहरवासियों का दैनिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

डॉ. जमाल ने बुडको प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा अगर सात दिनों के अंदर सभी बंद एवं अधूरे कार्यों को पुनः शुरू कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो दरभंगा जिला कांग्रेस कमिटी (शहरी) आम जनता के साथ बुडको कार्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेगी।

प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव के लिए किया नामांकन

यह नामांकन पीके का नहीं बल्कि बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है : डॉ. शोएब अहमद खान

संवाददाता

दरभंगा। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सोमवार को बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पूर्व उन्होंने स्काउट एवं गाइड मैदान से विशाल पदयात्रा की शुरूआत की गई। कोतवाली थाना, डाकबंगला, एसपी वर्मा रोड, जेपी गोलंबर और गांधी मैदान होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में जन सुराज के कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय लोग पदयात्रा में शामिल हुए। जन सुराज पार्टी के प्रदेश महासचिव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, डॉ शोएब अहमद खान ने कहा नामांकन यात्रा के दौरान समर्थकों में काफी उत्साह देखा गया।

हमारे उम्मीदवार के नामांकन से पूरे मार्ग पर लड़ेंगे बांकीपुर, जीतेंगे बांकीपुर के नारों से गूंज रही थी। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा यह मेरा नामांकन नहीं है, बिहार में बदलती हुई तस्वीर का नामांकन है। बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है। बिहार में अपराधीयों के कुर्सी छोड़ने का आह्वान है, इसका यह एक आगाज है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की हुई बैठक

राशन कार्ड निर्माण, सहयोग शिविर, टीवी मुक्त भारत अभियान एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की हुई समीक्षा

संवाददाता

दरभंगा। समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी, कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों, जन शिकायतों, विकासात्मक योजनाओं तथा सहयोग शिविर की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मानवाधिकार, लोकायुक्त, आरटीपीएस, न्यायालयों में लंबित वाद, मुख्यमंत्री जनता दरबार, एसी/डीसी बिल, सहकारिता, कृषि, राजस्व एवं जन शिकायतों से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित

विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा दरभंगा जिले में राशन कार्ड बनाए जाने हैं। इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र परिवारों से आवेदन प्राप्त करने एवं निर्धारित समय में उनका निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। टीवी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए भूमि उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया 15 जुलाई को जिले में डिग्री कॉलेज का उद्घाटन संभावित है।

इसको लेकर सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को तैयारियों का नियमित अनुश्रवण करने, सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संपादकीय

डिजिटल माध्यमों की लत अब एक महामारी का रूप ले चुकी

आधुनिक युग में स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, और इंटरनेट आदि हमारी जिंदगी का अभिन्न अंग बन चुके हैं। सुबह उठते ही पहला काम स्क्रीन चेक करना, रात सोने से पहले आखिरी काम भी स्क्रीन देखना, यह एक सामान्य सी बात हो गई है। लेकिन इस डिजिटल निर्भरता ने हमारे मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ऐसे में कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि डिजिटल डिटॉक्स यानी डिजिटल उपकरणों से कुछ समय के लिए पूरी तरह दूर रहना, आज हर परिवार के लिए आवश्यकता बन गया है।

यह न सिर्फ व्यक्तिगत विकास के लिए बल्कि पूरे परिवार की खुशहाली के लिए महत्वपूर्ण है। आज हम डिजिटल लत के दुष्परिणामों तथा परिवारों द्वारा डिटॉक्स अपनाने की जरूरत पर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि डिजिटल माध्यमों की लत अब एक महामारी का रूप ले चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, औसत व्यक्ति दिन में 7-8 घंटे से अधिक स्क्रीन पर बिताता है। बच्चों और किशोरों में यह आंकड़ा और भी अधिक है। इस लत के कई खतरनाक प्रभाव हैं। सबसे अहम है मानसिक स्वास्थ्य पर असर। हर समय नोटिफिकेशन्स, लाइक्स और कमेंट्स आदि की तलाश में हमारा मस्तिष्क डोपामाइन की लगातार खोज में रहता है।

इससे चिंता, अवसाद, नींद की समस्या और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी आती है। 'डिजिटल डिप्रेशन' या 'सोशल मीडिया एंग्जायटी' अब आम शब्द बन गए हैं। युवा पीढ़ी में आत्म-सम्मान कम होना, दूसरों से तुलना करना और वास्तविक दुनिया से कटाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी बिगड़ रहा है। आंखों की थकान, गर्दन-पीठ दर्द, मोटापा, कमजोर इम्यूनिटी,ये सब भी अधिक स्क्रीन टाइम के सीधे परिणाम हैं। बच्चों में शारीरिक गतिविधियों की कमी से विकास प्रभावित हो रहा है। परिवारों में बातचीत कम हो गई है। खाने की मेज पर सभी अपना फोन देखते हैं, बच्चे मां-बाप से कम और यूट्यूब आदि से ज्यादा सीखते हैं। ऐसे में रिश्तों में गहराई कम हो रही है।

इतना ही नहीं इस बुरी लत का सामाजिक स्तर पर भी नुकसान है। फेक न्यूज, साइबर बुलिंग, प्राइवेसी का हनन और समय की बबार्दी के आंकड़ों में भी बढ़ौतरी हो रही है। काम की उत्पादकता घट रही है क्योंकि मल्टी-टास्किंग के नाम पर हम एक काम पर भी ध्यान नहीं दे पाते। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया यूजर्स की याद्दाश्त और गहरी सोचने की क्षमता कम हो रही है। सोशल मीडिया क्रांति (लगभग 2004-2006 के बाद फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि) से पहले की दुनिया याद कीजिए। सूचना और मनोरंजन के साधन अलग थे, लेकिन उनके लाभ आज के डिजिटल माध्यमों से कहीं अधिक गहरे थे। लोग किताबें पढ़ते थे। एक उपन्यास पढ़ने में पूरा ध्यान लगता था।

इससे शब्दावली बढ़ती थी, कल्पनाशक्ति विकसित होती थी और धैर्य आता था। समाचार पत्र पढ़ना परिवार का सामूहिक कार्य होता था। सुबह चाय के साथ अखबार पढ़ना, चर्चा करने से बौद्धिक विकास और पारिवारिक बंधन दोनों बढ़ते थे। आज की तुलना में उस समय जानकारी कम लेकिन गहरी और विश्वसनीय होती थी। हर घर के बच्चे मैदान में खेलते थे। क्रिकेट, कबड्डी, फुटबाल आदि शारीरिक व्यायाम के साथ सामाजिक कौशल भी विकसित होते थे। पड़ोसियों से बातें होती थी, त्योहारों पर सामूहिक उत्सव मनाए जाते थे, बच्चों का बड़ों से कहानियां सुनना, ये सब भावनात्मक बुद्धिमत्ता बढ़ाते थे। लेकिन आज के बच्चों में ये कौशल कम हो रहे हैं।

तो क्या लाहौर आज भारत का अंग होता

भारत विभाजन को 8वां दशक पूरा होने को है लेकिन सवालों के बेताल अभी भी कंधों पर सवार रहते हैं। वर्ष 2026 की 16वीं अगस्त को 80वां वर्ष प्रारंभ हो जाएगा। नए-नए पृष्ठ खुलने लगते हैं। लगता है यह सिलसिला जारी रहेगा। कारण यही है कि यह विभाजन कृत्रिम था। केवल कुछ गिने-चुने राजनीतिज्ञों की महत्वाकांक्षाओं से ऊपजी चंद लकीरें जो आड़ी-तिरछी भी थीं, खींच दी गई थी। एक भरे-पूरे महाद्वीप की छाती पर जिस एक किस्से को मैं यहां बयां कर रहा हूं, वह भी ऐसे ही एक सिलसिले की प्रामाणिक कड़ी है। यह किस्सा वर्ष 1971 का है। इसका पूरा विवरण प्रख्यात पत्रकार श्री कुलदीप नैय्यर ने अपनी एक चर्चित पुस्तक 'दी स्कूप' में दिया है। उस दिन श्री कुलदीप नैय्यर लंदन की बांड स्ट्रीट स्थित उस शख्स के फ्लैट पर गए थे जिसने भारत विभाजन की निर्णायक लकीर खींची थी। इस मुलाकात के चार मुख्य बिन्दू थे। पहला बिन्दू लाहौर से जुड़ा हुआ था। रैडक्लिफ ने उस दिन रहस्योद्घाटन किया था 'मैंने तो लगभग पूरा लाहौर आपको दे डाला था। यह फैसला, आबादी, 'कल्चर', हिन्दुओं की सम्पत्ति पर आधारित था।' मगर बाद में सीमा-आयोग के मेरे एक सहयोगी ने आपत्ति उठाई थी, यदि लाहौर भी पाकिस्तान को न मिला तो प्रस्तावित पाकिस्तान के पास तो कोई भी बड़ा शहर भी नहीं बचेगा।

रैडक्लिफ ने तब यह भी बताया था कि इसी के बदले से कलकत्ता पहले ही भारत के खाते में डाल दिया गया था। रैडक्लिफ ने स्वीकार किया था कि उसे इतना महत्वपूर्ण काम निपटाने के लिये सिर्फ10-11 दिन ही दिए गए थे। उस स्थिति में तो मेरे पास जिला स्तर के सही नक्शे भी नहीं थे। नैय्यर के अनुसार रैडक्लिफ के चेहरे पर इस बात का मलाल एवं पछतावा साफ झलक रहा था कि उसके द्वारा खींची गई लकीर के कारण लगभग 10 लाख लोगों की जानें चली गई थीं। उसने बताया कि उसके अनुसार लाहौर में हिंदू और सिख बहुसंख्यक थे और संपत्ति में भी काफी समृद्ध थे। नैय्यर बताते हैं कि वह लंदन में अंतिम ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउंटबेटन से मिलने गया था। मैं जानना चाहता था कि भारत और पाकिस्तान की सीमा रेखाएं कैसे खींची गईं। हालांकि सीमा आयोग में चार और सदस्य थे दो भारत से, मेहर चंद महाजन और तेजा सिंह, और दो पाकिस्तान से, दीन मोहम्मद और मोहम्मद मुनीर, वे सभी सेवारत न्यायाधीश थे। यह निर्णय रैडक्लिफ ने लिया था क्योंकि आयोग विभाजित था, एक तरफ भारत के सदस्य थे और दूसरी तरफ पाकिस्तान के। उन्होंने किस मापदंड का प्रयोग किया? मैं यह जानने के लिए उत्सुक था। मुझे यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाएं निर्धारित करते समय रैडक्लिफ के पास कोई निश्चित नियम नहीं थे।

सीमांकन करने से पहले ही उन्होंने पर्याप्त जानकारी एकत्र कर ली थी। दोनों पक्षों ने विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने भी काफी अध्ययन किया था। जैसा कि उन्होंने बताया, उनके काम का सबसे पेचीदा हिस्सा पंजाब और बंगाल के आखिरी हिस्से का धार्मिक आधार पर विभाजन करना था। इसलिए लाहौर को भारत को देने और फिर उसे पाकिस्तान के पक्ष में बदलने का उनका निर्णय समझ में आता है। उन्होंने किसी न किसी तरह का संतुलन बनाए रखने की कोशिश की थी। मैंने पूछा -क्या आप भारत और पाकिस्तान के बीच खींची गई सीमा रेखाओं से संतुष्ट थे? मेरे पास कोई विकल्प नहीं था, मेरे पास समय इतना कम था कि मैं इससे बेहतर काम नहीं कर सकता था। अगर मुझे उतना ही समय दिया जाता, तो मैं वही काम करता। हालांकि, अगर मुझे दो से तीन साल मिलते तो शायद मैं अपने काम में और सुधार कर पाता, रैडक्लिफ ने कहा। सीमांकन करने से पहले उन्होंने उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों के ऊपर केवल एक बार डकोटा विमान उड़ाया था। उन्होंने कहा-यदि कुछ लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुई, तो इसका दोष उन राजनीतिक व्यवस्थाओं में है जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। रैडक्लिफ ने टाई के साथ जैकेट पहनी हुई थी जो एक तरह का औपचारिक पहनावा था।

लंबे समय तक न्यायाधीश रह चुके होने के कारण शायद विदेशियों से मिलते समय जैकेट पहनना उनकी आदत थी लेकिन उनके व्यवहार में कोई औपचारिकता नहीं थी। उनसे बातचीत के दौरान मैंने उन्हें एक सरल और स्पष्टवादी व्यक्ति पाया। जब मैंने उनके फ्लैट की घंटी बजाई तो उन्होंने खुद दरवाजा खोला। कमरा पुराने फर्नीचर से भरा हुआ था, जिसे उन्होंने शायद वर्षों में इकट्ठा किया होगा। बैठक का कमरा सादा लग रहा था। उसके पास कोई नौकर नहीं थी क्योंकि वे खुद रसोई में जाते थे, (जिसे मैं बैठक में सोफे से देख सकता था) चाय बनाने के लिए केतली को चूल्हे पर रखने के लिए। रैडक्लिफ को अपना काम पूरा करने के लिए बहुत कम समय दिया गया था। इसमें देरी इसलिए हुई क्योंकि पंजाब और बंगाल की प्रांतीय विधानसभाओं को दोनों प्रांतों के विभाजन के लिए मतदान करना था, जो एक कानूनी बाध्यता थी। रैडक्लिफ शिमला में थे जब माउंटबेटन ने उन्हें सीमा आयोग के अध्यक्ष के रूप में नामित किया। उन्होंने मुझे बताया कि वे जुलाई में पंजाब में काम करना पसंद करते। उन्होंने कहा-गर्मी के कारण जून में फील्ड सर्वे करना असंभव था लेकिन माउंटबेटन ने रैडक्लिफ से कहा कि वे काम में एक दिन की भी देरी नहीं कर सकते। रैडक्लिफ ने मुझे बताया कि वे सीमा आयोग के सदस्यों से खुश नहीं थे।

खामेनेई को जिस शहर में दफनाया गया, उसका 'कोहिनूर' से है क्या कनेक्शन

इमाम रजा श्राइन ईरान की कई जानी-मानी हस्तियों के लिए भी अंतिम विश्राम स्थल बन गया है। 2024 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को वहीं दफनाया गया था। इस श्राइन में खामेनेई को दफनाए जाने से इस्लामिक रिपब्लिक के नेताओं के लिए एक प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण विश्राम स्थल के तौर पर इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। दफनाने में चार महीने से ज्यादा की देरी क्यों हुई?

28 फरवरी के बाद से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी शांति दूत बन जाते हैं। कभी दुनिया के सबसे बड़े सेनापति, लेकिन ईरान के मामले में चिट भी मेरी और पट भी मेरी का इरादा रखने वाले ट्रंप की एक न चली। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध विराम खत्म करके दोबारा हमले की शुरूआत ऐसे समय में की, जब ईरान अयातुल्लाह अली खामनेई को सुपर्द-ए-खाक करने के लिए एक विश्वस्तर का बड़ा आयोजन शुरू कर चुका था। अमेरिकी अखबरा गार्डियन की खबर के अनुसार 6 दिनों के आयोजन में अली खामनेई के तकरीबन 3 करोड़ समर्थकों के शामिल होने की बात सामने आई है। अली खामनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ हवाई अड्डे से मशहद तक लाया गया। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक (दफन) किया गया। यह दफन एक हफ़्ते से चल रही उस ऐतिहासिक और लंबी शवयात्रा का अंतिम पड़ाव थी, जो ईरान और इराक के सबसे मुकद्दस (पवित्र) धार्मिक केंद्रों तेहरान, कोम, नजफ और कर्बला की गलियों से गुजरती हुई... आज अपने आखिरी ठिकाने मशहद पहुंची है। क्या है मशहद का इतिहासः ईरान का सबसे पवित्र और दूसरा सबसे बड़ा शहर खामनेई का जन्म भी इसी शहर में हुआ था। मशहद देश के उत्तरपूर्वी कोने में पड़ता है। यह तेहरान से करीब 900 किमी दूर है और खुरासान रजवी प्रांत की राजधानी है। यह अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की सीमाओं के काफी करीब है। इसी वजह से सदियों से यह मध्य एशिया और ईरान के बीच सांस्कृतिक यात्रा और संस्कृति का एक बड़ा केंद्र रहा है। मशहद की आबादी करीब 30 लाख है। लेकिन यहां भीड़ काफी ज्यादा रहती है क्योंकि पर्यटक और तीर्थ यात्री बड़ी संख्या में आते हैं। हर साल दुनिया भर से इतने पर्यटक और तीर्थ यात्री मशहद आते हैं कि कई मौकों पर बाहर से आने वालों की संख्या यहां की मूल आबादी से भी ज्यादा हो जाती है। मशहद का मतलब होता है शहादत की जगह यानी जहां कोई शहीद हुआ हो। शियाओं के आठवें इमाम इमाम रजा यहीं शहीद हुए थे। मशहद पहले सनाबाद नाम की एक बस्ती के रूप में जाना जाता था। इमाम रजा के दफन होने के बाद इसका नाम पड़ा मशद रजवी जो आगे चलकर सिर्फ मशहद रह गया। इमाम रजा का पूरा नाम अली इब्न मूसा अल रजा था। उनका जन्म 765 ईवी में मदीना में हुआ था। नवीं सदी की शुरूआत में अब्बासी खलीफा अल मामून ने उन्हें उत्तराधिकारी घोषित किया और मदीना से खुरासान बुलाया। लेकिन कुछ समय बाद 818 ईसवी में तूस के पास उनकी मृत्यु हो गई। शिया परंपरा का मानना है कि उन्हें जहर देकर शहीद किया गया था। जबकि कुछ ऐतिहासिक स्रोत इसे स्वाभाविक मृत्यु भी बताते हैं। इसी कारण इस स्थान को मशहद यानी शहादत की जगह कहा जाने लगा। बाद में यहीं उनकी मजार बनी और उसके चारों ओर धीरे-धीरे आज का मशहद शहर विकसित हुआ। ईरान का सबसे मुकद्दस मुकामः मशहद... जो ईरान में शिया मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थल, 'इमाम रजा दरगाह' का घर है। यह वही पावन दरगाह है जहाँ शिया इस्लाम के आठवें इमाम, इमाम रजा का मकबरा है जो ईरान की सरजमीं पर दफन होने वाले इकलौते शिया इमाम हैं। ऐसे में इसी पाक दरगाह के साए में अयातुल्ला खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया जाना... न सिर्फ बेहद गहरा धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि उनके पूरे जीवन और उनकी विरासत को हमेशा-हमेशा के लिए शिया इस्लाम के इस सबसे पवित्र मुकाम से जोड़ देता है। ईरान के बड़े नेताओं के लिए दफनाने की जगहः इमाम रजा श्राइन ईरान की कई जानी-मानी हस्तियों के लिए भी अंतिम विश्राम स्थल बन गया है। 2024 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को वहीं दफनाया गया था। इस श्राइन में खामेनेई को दफनाए जाने से इस्लामिक रिपब्लिक के नेताओं के लिए एक प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण विश्राम स्थल के तौर पर इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। दफनाने में चार महीने से ज्यादा की देरी क्यों हुई? इस्लाम में आम तौर पर शव को जल्द से जल्द, अक्सर 24 घंटे के भीतर दफना दिया जाता है। इसलिए खामेनेई के अंतिम संस्कार में हुई देरी बहुत असामान्य थी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनकी हत्या के बाद देश की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अंतिम संस्कार को टाल दिया गया था। खामेनेई की मौत का कारण बने हमले उस समय हुए जब ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच जबरदस्त सैन्य टकराव चल रहा था। अधिकारियों का तर्क था कि हमले के तुरंत बाद बड़े पैमाने पर सार्वजनिक अंतिम संस्कार करने से सुरक्षा का गंभीर खतरा पैदा हो सकता था, क्योंकि लाखों शोक मनाने वाले लोग और हमलों की चपेट में आ सकते थे। साथ ही, अधिकारियों को देश के भीतर अशांति का भी सामना करना पड़ रहा था; जहाँ एक तरफ उनके समर्थक शोक मना रहे थे, वहीं सरकार-विरोधी समूह उनकी मौत का जश्न मना रहे थे, जिससे सुरक्षा से जुड़ी और चुनौतियाँ पैदा हो गई थीं। जून में एक नाजुक युद्धविराम समझौता होने के बाद ही ईरानी अधिकारियों ने देश भर में अंतिम संस्कार के कार्यक्रम आयोजित किए। खामेनेई का शव कहाँ रखा गया था? इतनी लंबी देरी की वजह से यह अटकलें भी लगने लगीं कि खामेनेई का शव कहाँ रखा गया था। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, चार महीने की इस पूरी अवधि के दौरान उनके शव को सुरक्षित और तापमान-नियंत्रित मेडिकल रेफ्रिजरेशन सुविधा में रखा गया था। केमिकल एम्बामिंग (रसायनों से शव को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया) के विपरीत, जिसे आमतौर पर इस्लामी परंपराओं में सही नहीं माना जाता, रेफ्रिजरेशन से शव में कोई बदलाव किए बिना उसे सुरक्षित रखा जा सकता है। जानकारों का कहना है कि शिया इस्लामी कानून युद्ध या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे जैसी असाधारण स्थितियों में शव को दफनाने में देरी करने और उसे कोल्ड स्टोरेज में रखने की इजाजत देता है। इससे ईरानी अधिकारियों को धार्मिक नियमों का पालन करते हुए खामेनेई के शव को सुरक्षित रखने में मदद मिली।

ईरान और इराक में अंतिम संस्कार का जुलूस

खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में सात दिनों तक चलीं और आज मशहद में दफनाए जाने से पहले कई शहरों से गुजरीं।

इस रास्ते में ये जगहें शामिल थींः

तेहरान, जहाँ मुख्य राजकीय अंतिम संस्कार शुरू हुआ

कोम, जो शिया धार्मिक शिक्षा का ईरान का प्रमुख केंद्र है

इराक में नजफ और कर्बला, जो शिया इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहर हैं

मशहद, जहाँ इमाम रजा दरगाह में खामेनेई को दफनाया गया।

मशहद में दफनाए जाने के साथ ही, खामेनेई के हफ़्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार की रस्में पूरी हो गई।

कोहिनूर को लूटने वाले ने मशहद को बनाई अपनी राजधानी

18वीं सदी में ईरान के बादशाह नादिर शाह जिसे ईरान का नेपोलियन भी कहा जाता था। उसने मशहद को अपनी राजधानी बनाया। नादिर शाह वही बादशाह है जिसने 1739 में दिल्ली पर हमला किया था और कोहिनूर हीरा लूट कर अपने साथ ले गया था। 1747 में नादिर शाह की हत्या के बाद यह हीरा अफगान सेनापति अहमद शाह दुरानी को मिल गया। इसके बाद यह शाह शुजा दुरानी के पास पहुंचा। जिन्होंने सैन्य सहायता और राजनीतिक शरण के बदले कोहिनूर महाराजा रणजीत सिंह को दे दिया था। उनकी मौत के बाद लाहौर की संधि के तहत नाबालिग महाराजा दिलीप सिंह से कोहिनूर ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया गया। जहां से यह क्वीन विक्टोरिया के पास पहुंचा और तब से अब तक यह ब्रिटिश शाही खजाने का हिस्सा है।

सीमा व्यापार में आया नया मोड़, म्यांमार सीमा पर व्यापार शुरू, मगर घोषणा के बावजूद चीन सीमा पर ट्रेड शुरू नहीं हो पाया

सबसे पहले भारत और म्यांमार के बीच व्यापार बहाली की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ दर्रे से सीमाई व्यापार छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद फिर शुरू होने जा रहा है। यह व्यापार वर्ष 2019 में दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण रोक दिया गया था। इसके बाद महामारी ने भी सीमाई आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों को पूरी तरह ठप कर दिया

कभी सीमाओं पर पसरा सन्नाटा कहानी का अंत लगता है, तो कभी वही खामोशी नए दौर की सबसे बड़ी दस्तक बन जाती है। सीमाएं जब खुलती हैं तो केवल रास्ते नहीं खुलते, बल्कि बाजारों में रौनक लौटती है, रोजी रोटी की उम्मीदें जागती हैं और सीमावर्ती बस्तियों की धड़कन फिर तेज हो जाती है। इस बार भी सीमाई व्यापार के मंच पर दो अलग अलग दृश्य सामने हैं। एक ओर भारत और म्यांमार के बीच छह वर्षों से बंद पड़ा व्यापारिक रास्ता फिर जीवन से भरने जा रहा है, जबकि दूसरी ओर लिपुलेख के रास्ते भारत और चीन के बीच व्यापार की पटकथा अभी अधूरी है। वहां बाजार तैयार नहीं होने से कारोबारी इंतजार की अगली कड़ी लिखने को मजबूर हैं। हम आपको बता दें कि भारत के सीमाई व्यापार मोर्चे पर एक साथ दो महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए हैं। एक ओर भारत और म्यांमार के बीच पांगसाउ दर्रे से छह वर्ष बाद सीमाई व्यापार दोबारा शुरू होने जा रहा है, जिससे पूर्वोत्तर के सीमावर्ती इलाकों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से व्यापार सत्र शुरू होने के बावजूद भारतीय व्यापारियों को अभी भी नए बाजार की प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। बताया जा रहा है कि चीन की ओर से व्यापार व्यवस्था पूरी तरह तैयार नहीं होने के कारण कारोबार शुरू होने में देरी हो रही है। दोनों घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि सीमाई व्यापार केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि कूटनीतिक, सामरिक और स्थानीय आजीविका से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। सबसे पहले भारत और म्यांमार के बीच व्यापार बहाली की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ दर्रे से सीमाई व्यापार छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद फिर शुरू होने जा रहा है। यह व्यापार वर्ष 2019 में दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण रोक दिया गया था। इसके बाद महामारी ने भी सीमाई आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों को पूरी तरह ठप कर दिया। अब दोनों देशों के बीच सहमति बनने के बाद व्यापार दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार व्यापार जुलाई के अंत तक आरंभ होने की संभावना है। इस व्यापार की सबसे बड़ी विशेषता मुक्त आवाजाही व्यवस्था है। इस व्यवस्था के अंतर्गत सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोग बिना औपचारिक अनुमति के दस किलोमीटर तक एक दूसरे के क्षेत्र में आ जा सकते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर व्यापार, छोटे कारोबार, सांस्कृतिक संपर्क और सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपनी जरूरत का सामान आसानी से उपलब्ध होगा और स्थानीय उत्पादों के लिए नया बाजार भी मिलेगा। साथ ही पांगसाउ मार्ग के फिर खुलने से सबसे अधिक लाभ अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले और आसपास के इलाकों को मिलने की उम्मीद है। स्थानीय व्यापारिक संगठनों का कहना है कि पिछले छह वर्षों में व्यापार बंद रहने से छोटे व्यापारियों, परिवहन से जुड़े लोगों और स्थानीय बाजारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सीमाई व्यापार फिर शुरू होने से रोजगार के नए अवसर बनेंगे, बाजारों में चहल पहल लौटेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। स्थानीय व्यापार संगठन के अध्यक्ष जोंगखाम मोरांग ने मीडिया से कहा कि व्यापार बहाल होने से क्षेत्र के हजारों छोटे व्यापारियों और आम लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि महामारी और व्यापार बंदी के दौरान जो आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह ठहर गई थीं, अब उनके फिर से पटरी पर लौटने की उम्मीद है। सीमा चौकी प्रत्येक महीने की दस, बीस और तीस तारीख को संचालित होगी, जिससे नियमित व्यापारिक गतिविधियां सुनिश्चित की जा सकेंगी। दूसरी ओर उत्तराखंड स्थित लिपुलेख दर्रे से भारत और चीन के बीच व्यापार सत्र औपचारिक रूप से शुरू तो हो गया है, लेकिन वास्तविक कारोबार अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। इसका कारण यह है कि चीन की ओर से नया बाजार और गोदाम पूरी तरह तैयार नहीं हो सके हैं। तिब्बत के तकलाकोट क्षेत्र में नया व्यापारिक केंद्र बनने का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है, जिसके चलते चीनी अधिकारियों ने भारतीय व्यापारियों से कुछ समय और प्रतीक्षा करने को कहा है। हम आपको याद दिला दें कि लिपुलेख मार्ग से व्यापार वर्ष 2020 में गलवान घाटी की घटना के बाद रोक दिया गया था। इसके बाद लगातार चार वर्षों तक यह मार्ग बंद रहा। इस वर्ष व्यापार फिर शुरू होने की घोषणा से व्यापारियों में उत्साह तो बढ़ा, लेकिन बाजार तैयार नहीं होने के कारण उनकी उम्मीदों को फिलहाल झटका लगा है। व्यापारियों का कहना है कि यदि बाजार समय पर तैयार हो जाता तो इस बार खच्चरों की जगह सीधे मालवाहक वाहनों से सामान पहुंचाया जा सकता था। इसका सबसे बड़ा कारण धारचूला से लिपुलेख तक सड़क निर्माण का पूरा हो जाना है। हालांकि भारतीय पक्ष ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। हम आपको बता दें कि व्यापार सत्र की औपचारिक शुरूआत जून में हो चुकी है और भारतीय व्यापारी जुलाई के शुरू में ही सीमा पार करने की तैयारी में थे।

लेकिन इसी दौरान चीनी व्यापारिक साझेदारों की ओर से संदेश मिला कि नया बाजार और आवश्यक ढांचा अभी निमार्णाधीन है। इसलिए व्यापारियों को फिलहाल सीमा पार नहीं भेजा जाए। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद नई तिथि की सूचना देने का आश्वासन भी दिया गया है। बहरहाल, दोनों घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि सीमाई व्यापार केवल वस्तुओं के आदान प्रदान तक सीमित नहीं है। यह सीमावर्ती क्षेत्रों की आजीविका, स्थानीय अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचे और दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों से सीधे जुड़ा हुआ है। जहां म्यांमार सीमा पर व्यापार बहाली पूर्वोत्तर के लिए नई आर्थिक संभावनाओं का द्वार खोल रही है, वहीं लिपुलेख पर चीन की धीमी तैयारी यह दिखाती है कि सीमाई व्यापार की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि समय पर आधारभूत सुविधाएं और पारस्परिक समन्वय सुनिश्चित होने पर ही संभव है।

भारत की पहली हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन धुएं की जगह पानी छोड़ेगी, बिना डीजल और बिना ओवरहेड तार के इस तरह दौड़ेगी ट्रेन

भारत की रेल व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की पहली हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाएंगे। यह सिर्फ एक नई रेलगाड़ी की शुरूआत नहीं, बल्कि भारतीय रेल के हरित परिवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक पहल भी होगी। हरियाणा के जींद से चलने वाली यह रेलगाड़ी देश को स्वच्छ और कम प्रदूषण वाली परिवहन व्यवस्था की ओर ले जाने का प्रयास है। हालांकि इस उपलब्धि के साथ कई तकनीकी और आधारभूत चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जिनका समाधान भविष्य की सफलता तय करेगा। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को जींद दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया को पूरे कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है और वह स्वयं तैयारियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के करीबी माने जाने वाले भाटिया मंच, पंडाल, बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री अपने दौरे के दौरान देश की पहली हाइड्रोजन रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाने के साथ हरियाणा की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

उधर, रेलवे के अनुसार यह रेलगाड़ी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ियों में शामिल होगी। इसमें आठ यात्री डिब्बे और दो पावर कार होंगे। लगभग दो हजार चार सौ किलोवाट क्षमता वाली यह रेलगाड़ी एक बार में कम से कम छह सौ बयासी यात्रियों को लेकर चल सकेगी। यह जींद और सोनीपत के बीच लगभग नवासी किलोमीटर लंबे मार्ग पर अधिकतम पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। प्रतिदिन दो फेरे लगाएगी और कुल तीन सौ छप्पन किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस दौरान लगभग तीन सौ किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होने का अनुमान है। कैसे चलेगी हाइड्रोजन रेलगाड़ी यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि सामान्य विद्युत रेलगाड़ियां ऊपर लगे तारों से मिलने वाली विद्युत धारा पर निर्भर रहती हैं, लेकिन हाइड्रोजन रेलगाड़ी की कार्यप्रणाली पूरी तरह अलग है। इसमें हाइड्रोजन और वायु से प्राप्त ऑक्सीजन को ईंधन कोश में मिलाकर विद्युत ऊर्जा तैयार की जाती है। यही ऊर्जा रेलगाड़ी को गति देती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य रहता है और मुख्य उपोत्पाद के रूप में केवल जल बनता है। यही कारण है कि इसे स्वच्छ परिवहन की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारतीय रेल की इस परियोजना में प्रत्येक पावर कार में चार एकीकृत पावर पैक लगाए गए हैं। इनमें हाइड्रोजन ईंधन कोश और लिथियम फेरो फास्फेट बैटरी का संयोजन किया गया है। प्रत्येक पावर पैक तीन सौ किलोवाट ऊर्जा देगा, जिसमें एक सौ पंद्रह किलोवाट ईंधन कोश और एक सौ पचासी किलोवाट बैटरी से प्राप्त होगी। चारों पावर पैक मिलकर बारह सौ किलोवाट क्षमता उपलब्ध कराएंगे। चूंकि रेलगाड़ी में दो पावर कार हैं, इसलिए कुल क्षमता चौबीस सौ किलोवाट अर्थात लगभग तीन हजार दो सौ अश्वशक्ति होगी। यह क्षमता समान दूरी तय करने वाली सामान्य विद्युत या डीजल बहु इकाई रेलगाड़ियों के बराबर मानी जा रही है। ईंधन कोश और बैटरी के संतुलित तालमेल के बारे में रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ईंधन कोश लगातार एक समान ऊर्जा देता है। इसलिए जब रेलगाड़ी चलना शुरू करती है, तब शुरूआती अधिक ऊर्जा की आवश्यकता ईंधन कोश से पूरी होती है। जैसे ही रेलगाड़ी गति पकड़ती है और ऊर्जा की मांग बढ़ती है, बैटरी अतिरिक्त शक्ति उपलब्ध कराती है। दूसरी ओर, जब रेलगाड़ी की गति कम होती है या वह किसी स्टेशन के पास पहुंचती है, तब अतिरिक्त ऊर्जा से बैटरी दोबारा चार्ज हो जाती है। इस व्यवस्था से पूरी यात्रा के दौरान बैटरी लगभग अस्सी प्रतिशत तक भरी रहती है और ऊर्जा की उपलब्धता बनी रहती है। हम आपको यह भी बता दें कि हाइड्रोजन रेल तकनीक अभी दुनिया के चुनिंदा देशों तक ही सीमित है। इस तकनीक का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन 2016 में बर्लिन में हुआ था। बाद में जर्मनी ने दो डिब्बों वाली हाइड्रोजन रेलगाड़ी शुरू की, जिसे दुनिया की पहली यात्री हाइड्रोजन रेलगाड़ी माना गया। इसके बाद जापान, चीन और अमेरिका ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाए। हालांकि अभी तक इन रेलगाड़ियों का उपयोग मुख्य रूप से छोटी दूरी की सेवाओं तक सीमित है, क्

संक्षिप्त खबरें

जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के कर-कमलों से बालिका का दत्तक ग्रहण संपन्न

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा एक बालिका विजेता का विधिवत दत्तक ग्रहण कराया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन जिला पदाधिकारी महोदया के कार्यालय कक्ष (डीएम चैम्बर) में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, औरंगाबाद की टीम उपस्थित रही एवं दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को नियमानुसार संपन्न कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

बालिका विजेता को एक सुरक्षित, स्नेहपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण की गई। दत्तक ग्रहण करने वाले अभिभावक झारखंड राज्य से आए थे, जिन्होंने बालिका को अपने परिवार का हिस्सा बनाने की इच्छा व्यक्त की। जिला पदाधिकारी महोदया ने बाल संरक्षण एवं देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को प्रेम, सुरक्षा, शिक्षा एवं बेहतर भविष्य का अधिकार है। दत्तक ग्रहण जैसी प्रक्रियाएं बच्चों को परिवार आधारित देखभाल एवं बेहतर जीवन अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, औरंगाबाद के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पंचपदी अधिगम पद्धति पर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता

औरंगाबाद। भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में "पंचपदी अधिगम पद्धति" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ सरस्वती शिशु मंदिर, औरंगाबाद में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से पवित्र वातावरण में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रदेश सचिव श्री प्रदीप कुशवाहा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचपदी अधिगम पद्धति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की प्रभावी पद्धति है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को विद्यालयों में व्यवहारिक रूप से लागू कर शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाएँ। इस अवसर पर रोहतास विभाग प्रमुख श्री धरणीकांत पांडे जी, सरस्वती शिशु मंदिर, औरंगाबाद के प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार कौशिक जी, प्राथमिक खंड प्रधानाचार्य श्री सुमन कुमार सिंह जी, विभाग प्रमुख श्री उमाशंकर पोद्दार जी, डॉ. शिवपूजन सिंह जी तथा कोषाध्यक्ष डॉ. संजीव रंजन जी मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निरंतर प्रशिक्षण से ही शिक्षक अपने ज्ञान एवं शिक्षण कौशल को समयानुकूल विकसित कर सकते हैं।

कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए प्रशिक्षक एवं आचार्य उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान पंचपदी अधिगम पद्धति के विभिन्न चरणों का व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा, जिससे कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाया जा सके।

कुर्की जब्ती का वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

औरंगाबाद : ओबरा थाने की पुलिस ने फरार चल रहे एक कुर्की जब्ती के वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान थाना क्षेत्र के देवकली गांव निवासी अजय सिंह के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि अजय के ऊपर न्यायालय से कुर्की जब्ती का वारंट निर्गत था जो पुलिस की नजरों से बचने के लिए विगत लगभग तीन वर्षों से फरार चल रहा था।

थानाध्यक्ष ने बताया कि विशेष छापेमारी अभियान के क्रम में पुलिस ने कुर्की वारंटी के आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया है, मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बड़हरा थाना में चौकीदार परेड आयोजित, शराब तस्करी व अपराध पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिया गया

संवाददाता

बड़हरा (आरा): थाना प्रांगण में चौकीदारों की मासिक परेड आयोजित की गई। जो कि परेड के दौरान सभी चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष चुनमून कुमारी ने चौकीदारों को शराब तस्करी एवं अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने, क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने, संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार करने तथा किसी भी अप्रिय घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थाना को देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही चौकीदारों से कहा गया कि वे ग्रामीणों के साथ समन्वय बनाकर पुलिस की आंख और कान की भूमिका निभाएं तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें।

बड़हरा में दियरा इलाके से एक बाइक तथा 40 लीटर देशी शराब बरामद, धंधेबाज फरार पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता

बड़हरा (आरा): थाना क्षेत्र से पुलिस ने रात्रि गश्ती एवं छापेमारी अभियान के दौरान पुलिस ने नेकनाम टोला दियारा क्षेत्र से एक बाइक पर लदी करीब 40 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही शराब तस्कर मौके से अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया है। पुलिस ने शराब एवं बाइक को जब्त कर थाना लाया है। फरार शराब धंधेबाज की पहचान करने के लिए वाहन के नंबर आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी ने बताया कि एक बाइक सहित देशी शराब बरामद करते हुए फरार चल रहे शराब धंधेबाज को पहचान करने में जुट गई है। छापेमारी में थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी सहित अन्य कई पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे।

बड़हरा थाना में दो शराबी व्यक्ति गिरफ्तार जेल

संवाददाता

बड़हरा (आरा): थाना क्षेत्र से पुलिस ने अलग अलग जगह से दो शराबी व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद बड़हरा थाना पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया। गिरफ्तार शराबियों में विरिकेश्वर पासवान, पिता रामदेव पासवान, निवासी पैगा तथा प्रमोद यादव, पिता रामदयाल यादव, निवासी आलेखी टोला, दोनों थाना बड़हरा, जिला भोजपुर का बताया जा रहा हैं।

पुलिस के अनुसार, दोनों शराबी व्यक्ति अपने अपने घर के परिजनों से शराब पीकर हो हंगामा कर रहे थे। मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने के उपरांत दोनों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। इसके बाद दोनों शराबियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया। थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी ने बताया कि अलग अलग जगह से दो शराबी व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। छापेमारी में थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी सहित अन्य कई पुलिस बल मौके पर मौजूद थे।

डीएम कार्यालय पर आशा कार्यकर्ताओं का हल्ला बोल, 11 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता

बेतिया। आशा संघ और बिहार राज्य आशा फैसिलिटेटर संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर पश्चिम चंपारण की सैकड़ों आशा एवं आशा फैसिलिटेटर जिला पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष एकजुट होकर अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकताओं ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा कि वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनी आशा बहनों के साथ लगातार उपेक्षा की जा रही है। उनका बकाया भुगतान लंबित है, ड्रेस और मोबाइल रिचार्ज मद की राशि में कटौती की जा रही है, जबकि लगातार काम का बोझ बढ़ाया जा रहा है। धरना दे रही आशा कार्यकताओं ने मांग की कि आशा और आशा फैसिलिटेटर का लंबित भुगतान अविलंब किया जाए, ड्रेस एवं मोबाइल रिचार्ज की राशि में की गई कटौती वापस ली जाए, सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाए तथा उम्र सत्यापन के लिए आधार कार्ड को ही मान्य प्रमाण माना जाए। इसके साथ ही तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जमे अकाउंटेंट और बीसीएम का स्थानांतरण करने, आशा

एवं फैसिलिटेटर का भुगतान पहले की तरह अश्विनी पोर्टल से कराने, आशा की सेवा स्थायी करने तथा 26 हजार रुपये मासिक मानदेय लागू करने की भी मांग उठाई गई।

प्रदर्शन के दौरान यह भी कहा गया कि आशा कार्यकताओं को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना बंद किया जाए और एक ही आंगनबाड़ी केंद्र पर दो या तीन आशाओं की बहाली की व्यवस्था समाप्त की जाए। वहीं लौरिया प्रखंड में बीसीएम रीना मोदी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग प्रमुखता से उठाई गई।

धरना के बाद संघ का दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ओम प्रकाश क्रांति के नेतृत्व में जिला पदाधिकारी से मिला और उन्हें मांगपत्र सौंपते हुए सभी समस्याओं से विस्तार से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी से आग्रह किया कि जब तक आशा एवं आशा फैसिलिटेटर का बकाया भुगतान नहीं हो जाता, तब तक संबंधित प्रभारी, बीसीएम और अकाउंटेंट के भुगतान पर भी रोक लगाने संबंधी निर्देश जारी किए जाएं, ताकि लंबित भुगतान की समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। धरना को संबोधित करते हुए ट्रेड यूनियन नेताओं और महिला प्रतिनिधियों ने कहा कि आशा कार्यकर्ता वर्षों से गांव-गांव जाकर टीकाकरण, प्रसव, पोषण, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य योजनाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उन्हें आज भी सम्मानजनक मानदेय, समय पर भुगतान और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।

धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता रंजना चौहान ने की। इस अवसर पर साधना देवी, रंजना, पुष्पा, मुन्ना, सरोज सहित बड़ी संख्या में आशा एवं आशा फैसिलिटेटर उपस्थित रहीं। वहीं ट्रेड यूनियन नेता फिरोज भारती, उर्मिला, आरती पटेल, शहनाज, माला, सुनीता, पूनम, गुलाबी देवी और संजना सहित कई वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए आशा कार्यकताओं के संघर्ष को न्याय की लड़ाई बताते हुए एकजुट होकर आंदोलन को और मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारे गूंजते रहे और आशा कार्यकताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

मझौलिया पंचायत में नल-जल व्यवस्था सुधारने की मांग, मुखिया ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

मझौलिया। मझौलिया पंचायत के वार्ड संख्या 1 से 8 तक पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कराने और जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पंचायत के मुखिया सत्यप्रकाश ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की मांग की। मुखिया सत्यप्रकाश ने बताया कि वार्ड संख्या 6 में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) द्वारा स्थापित जलमीनार (बड़ी टंकी) से जुड़े पाइप कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

पाइप टूटने के कारण नालों का दूषित पानी पाइपलाइन में प्रवेश कर जाता है, जिससे घरों तक पहुंचने वाला पानी प्रदूषित हो रहा है। ऐसे पानी का उपयोग पीने योग्य नहीं रह गया है और इससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने नई टंकी और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलवाने की मांग की। इसके अलावा मुखिया ने वार्ड संख्या 5 में जर्जर नालों के पुनर्निर्माण तथा नालियों की नियमित सफाई कराने की भी मांग उठाई। उनका कहना था कि नालियों की खराब स्थिति के कारण जलनिकासी बाधित हो रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार ने बताया कि पीएचईडी विभाग से समन्वय स्थापित कर नल-जल योजना की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। साथ ही वार्ड संख्या 5 में नालियों की सफाई एवं आवश्यक स्थानों पर मरम्मत और सौंदर्यीकरण का कार्य भी जल्द शुरू कराया जाएगा, ताकि पंचायतवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज, अस्पताल के कर्मियों द्वारा पांच वे दिन धरना-सत्याग्रह जारी

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, दरभंगा के कर्मियों द्वारा धरना के पांचवां दिन भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में जारी है। धरना-सत्याग्रह कार्यक्रम में भारी संख्या में कर्मीगण भागीदारी की। संघ के अध्यक्ष अनील कुमार सिन्हा एवं धरना पर बैठे कर्मियों का कहना है अयोग्य एवं अक्षम अधीक्षक डा. जगदीश चन्द्र को हटाने-डीएमसीएच को बचाने हेतु चलायी जा रही धरना-सत्याग्रह आंदोलन आज पांचवां दिन भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में जारी रहा। धरना सत्याग्रह कार्यक्रम में भारी संख्या में कर्मीगण भागीदारी की। धरनास्थल पर मधु महतो एवं दीप नारायण पासवान की संयुक्त अध्यक्षता में हुई सभा में उपस्थित कर्मियों ने अस्पताल अधीक्षक के नाकामी, तानाशाही, दमन एवं कर्मचारी विरोधी रवैया पर भारी आक्रोश प्रकट करते हुए उग्र आंदोलन का फैसला शीघ्र

लेने की बात कही। संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा एवं मंत्री अजय कुमार साह ने कहा अस्पताल अधीक्षक डा. जगदीश चन्द्र के कृत्य से डीएमसीएच शर्मसार हो रहा है। मरीज इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं हो रही है। एक्सरे मशीन खराब है। पैथोलॉजिकल जांच केमिकल के अभाव में नहीं हो रहा है। दवा आदि का भी अभाव है। डा जगदीश चन्द्र सिर्फ सरकार की आलोचना करने एवं अपना समय बिताते हैं। ईमानदारी होने का नाटक करके 50-50 हजार का सामान/दवा आदि की खरीदारी अपने निजी पहचान वाले आपूर्ति कर्ता से कर रहे हैं। अराजकता, कुव्यवस्था चरम पर पहुंच गया है। कर्मचारी-नर्सों का तंगो तबाह व शोषण किया जा रहा है। अनिल कुमार सिन्हा संघ के अध्यक्ष ने कहा समस्या का निदान करने के बजाय मामला को उलझा कर विषाक्त बनाने पर तुले हुए है।

दिव्यांगजन भवन जल्द चालू करने की मांग के लिए एकता के साथ दिव्यांगजनों ने दिया धरना

संवाददाता

दरभंगा। लहेरियासराय स्थित धरनास्थल पर सोमवार को अखिल भारतीय दिव्यांग संघ, दरभंगा के द्वारा आयोजित धरना कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में दिव्यांगजनो, उनके परिजनो एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ ने भाग लिया। दिव्यांगजन भवन को तत्काल चालू करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना पर बैठे थे। आयोजित धरना कार्यक्रम का नेतृत्व-गोविन्द सहनी ने किया। जबकी धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता - अमरनाथ नायक ने किया संचालन संघ के सचिव- आमिर हुसैन, बैद्यनाथ कुमार ने किया। संघ के अध्यक्ष, अमरनाथ नायक ने कहा आयोजित धरना का उद्देश्य दिव्यांगों को न्याय अधिकार दिलाना है। ना की किसी व्यक्ति या संस्था का विरोध नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान और सुलभ सेवाओं की मांग को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से उठाना था। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं

ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास होता है। व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखना जितना प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और मीडिया की जिम्मेदारी है, उतनी ही जिम्मेदारी नागरिकों की भी है। दिव्यांगजन हमेशा कानून का सम्मान करते हुए अपनी बात रखते आए हैं। अब समय है कि व्यवस्था भी उनके विश्वास, अधिकारों का सम्मान करे। वक्ताओं ने कहा दिव्यांगजन भवन का निर्माण दिव्यांगजनों की सुविधा, पुनर्वास, परामर्श, प्रशिक्षण, जागरूकता एवं विभिन्न सेवाओं के लिए किया गया था। यदि ऐसा भवन लंबे समय तक बंद रहता है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने हेतु जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

संवाददाता

सासाराम। आम नागरिकों को सस्ती, सुलभ एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं रूफटॉप सोलर अधिष्ठापन में तेजी लाने के लिए सोमवार को जिला पदाधिकारी, रोहतास श्री दीपक कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्रणाली के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ना था। जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित करने पर केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट पर 30, 000, 2 किलोवाट पर 60, 000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर 78, 000 तक की सब्सिडी उपलब्ध है। साथ ही, सोलर संयंत्र स्थापना के लिए बैंकों के माध्यम से रियायती ब्याज

दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। बता दें की जिले में अब तक 371 उपभोक्ताओं के घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर सोलर पैनल का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा अधिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं को विशेष रूप से सोलर अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि यह योजना बिजली बिल कम करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सोलर संयंत्र के लिए लिए गए ऋण का भुगतान शहरी क्षेत्रों में 4 से 5 वर्ष तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 7 से 8 वर्ष की अवधि में किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम पड़ता है। साथ ही एकरारनामा की शर्तों के अनुसार सोलर प्लेट को 7 वर्षों तक निःशुल्क मरम्मत एवं रख-रखाव की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि 150 यूनिट तक मासिक खपत वाले उपभोक्ताओं के लिए 1 किलोवाट, 300 यूनिट तक के लिए 2 किलोवाट तथा 300 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं के लिए 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता का सोलर संयंत्र उपयुक्त है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घरेलू आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर उसके राशि का समायोजन बिजली बिल में किया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि प्रति किलोवाट सोलर संयंत्र के लिए लगभग 100 वर्गफुट छत की आवश्यकता होती है तथा उचित रख-रखाव के साथ सोलर पैनल लगभग 25 वर्षों तक प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराएं और स्वच्छ ऊर्जा एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में विद्युत अधीक्षण अभियंता ई. इंद्रदेव कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम, विद्युत कार्यपालक अभियंता डेहरी ई. संतोष कुमार, जिले के सभी सहायक एवं कनीय विद्युत अभियंता सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गुप्ताधाम के झरने में नहाने के क्रम में 18 वर्षीय युवक की डूबने से हुई मौत

संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिला के चेनारी प्रखंड अन्तर्गत कैमूर पहाड़ियों के मनमोहक वादियों में स्थित प्रसिद्ध गुप्ताधाम के रास्ते में सोमवार को करीब दोपहर 2 बजे दिन में झरने में नहाने के क्रम में पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में डूबने से एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई है मृतक की पहचान कैमूर जिला के कुदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरी लालापुर गांव निवासी स्वर्गीय भुवनेश्वर राम के 18 वर्षीय पुत्र निक्की कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि निक्की कुमार अपने दोस्तों के साथ गुप्ताधाम दर्शन करने जा रहा था। तभी रास्ते में स्थित झरने में नहाने लगा। नहाने के क्रम में पैर फिसलने से वह गहरा पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों एवं आसपास के लोगों द्वारा उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और गहरे पानी में डूबने से निक्की की मौत हो गई। इस हादसे के कारण आसपास आफरा- तफरी का महौल हो गया। मृतक के परिजन को जैसे ही खबर मिली पूरे परिवार में कोहराम मच गई।

पांडुलिपि संरक्षकों को जिला पदाधिकारी ने किया सम्मानित

संवाददाता

औरंगाबाद : समाहरणालय स्थित योजना भवन के सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत जिले में पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को मोमेंटो एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के निदेर्शानुसार "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत जिले में 75 वर्ष अथवा उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेजों एवं पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन कराया गया। इनमें कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा, धातु तथा अन्य पारंपरिक माध्यमों पर लिखित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की पांडुलिपियां शामिल हैं।

इस अभियान का उद्देश्य भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, ऐतिहासिक अभिलेखों एवं प्राचीन ग्रंथों का संरक्षण कर उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है, ताकि उनमें निहित ज्ञान का शोध, अनुवाद एवं प्रकाशन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार किया जा सके। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में 15 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक संचालित इस विशेष अभियान के दौरान जिले में 26, 158 हस्तलिखित दस्तावेजों एवं पांडुलिपियों का सफलतापूर्वक डिजिटाइजेशन किया गया।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ औरंगाबाद जिला राज्यस्तरीय सर्वेक्षण में छठे स्थान पर रहा। यह उपलब्धि जिले में ऐतिहासिक धरोहरों, अभिलेखों एवं पांडुलिपियों के संरक्षण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता एवं सामूहिक प्रयासों का परिचायक है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री इफ्तिखार अहमद, अनुमंडल पदाधिकारी, दाउदनगर श्री अमित राजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती श्वेता प्रियदर्शी तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्री कुमार पप्पू राज को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, जिले में उपलब्ध दुर्लभ एवं ऐतिहासिक पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने वाले निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। 13वें सज्जादा नशीन सैयद शाह हसनैन कादरी, खानकाह मुहम्मदिया कादरिया, अमझर शरीफ, हसपुरा। सैय्यद मोहम्मद हुसैन कादरी, सज्जादा नशीन, खानकाह कादरिया मोहम्मदिया, अमझर शरीफ, हसपुरा। डॉ. उपेन्द्र कश्यप, पत्रकार सदन, कान्दुराम की गढ़ही, दाउदनगर। डॉ. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सर्राफ, अध्यक्ष, बाबा बिहार दास संगत, पटवा टोली, दाउदनगर। एस.एम.ए. सबा कादरी, खानकाह कादरिया, मियां साहब का मुहल्ला, पुराना शहर, दाउदनगर। पीर सैयद शाह मंजर अली कादरी, खानकाह सुलेमानिया कादरिया, बगनडीहा, ओबरा। सत्येन्द्र नारायण सिंह, ग्राम एवं पोस्टझघटराईन, प्रखंड मदनपुर। नरेन्द्र प्रताप सिंह, ग्राम एवं पोस्टझघटराईन, प्रखंड मदनपुर।

पटना-राजगीर-मां मुंडेश्वरी मंदिर (कैमूर)-करमचट डैम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का उद्घाटन: मुख्यमंत्री हेली टूरिज्म योजना का पहला चरण की शुरूआत 18 जुलाई से

संवाददाता

सासाराम। बिहार सरकार की 'संकल्प मुख्यमंत्री हेली-टूरिज्म योजना' के तहत राज्य के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को हेलीकॉप्टर सेवा से जोड़ने की पहल की गई है। जिसका उद्घाटन आज माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी द्वारा किया गया। योजना के अंतर्गत पटना-राजगीर-मां मुंडेश्वरी मंदिर (कैमूर)-करमचट डैम हेलीपैड-पटना रूट भी निर्धारित किया गया है। इससे श्रद्धालु और पर्यटक एक ही यात्रा में प्राचीनतम मंदिरों में शामिल मां मुंडेश्वरी मंदिर के दर्शन करने के साथ-साथ करमचट डैम की प्राकृतिक खूबसूरती का भी आनंद ले सकेंगे।

योजना के अनुसार यह हेलीकॉप्टर सेवा हर शनिवार और रविवार संचालित होगी। हेलीकॉप्टर सुबह 11:00 बजे पटना से कैमूर हेलीपैड पहुंचेगा,

जहां से पर्यटकों को करमचट डैम का आकाशीय सैर कराते हुए मां मुंडेश्वरी मंदिर के पास हैलीपैड तक जाएगी। इसके बाद हेलीकॉप्टर दोपहर 12:45 बजे कैमूर से पटना के लिए रवाना होगा। प्रत्येक उड़ान में 10 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी।

यात्रियों के लिए पटना से कैमूर (मुंडेश्वरी मंदिर-करमचट डैम सर्किट) तक प्रति व्यक्ति किराया 6, 000 रुपये निर्धारित किया गया है। इस योजना से धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसकी बुकिंग 13 जुलाई से शुरू हो रही है। बिहार पर्यटन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल www.tourism.bihar.gov.in पर इसकी बुकिंग कर सकते हैं। हालांकि, 18 जुलाई से हेली टूरिज्म योजना की औपचारिक रूप से शुरूआत हो जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भदवर थाना के पॉक्सो मामले में फरार अभियुक्त के घर कुर्की

संवाददाता

डुमरिया गया: गया जिले के भदवर थाना कांड संख्या 16/25 में नामजद फरार आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की. भदवर थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 127(2), 137(2), 96, 64(1), 351(2) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4/6/8/21 के तहत दर्ज मामले के अभियुक्त थाना क्षेत्र के बिजुआ गांव निवासी सौरभ कुमार, के घर पर विधिवत कुर्की की गई. यह कार्रवाई इमामगंज डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई. थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. फरार आरोपी के विरुद्ध आगे भी न्यायालय के आदेशानुसार कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी.

कुर्की वारंट मामले में महिला गिरफ्तार, न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई

संवाददाता

डुमरिया गया: डुमरिया थाना पुलिस ने कुर्की वारंट से संबंधित मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान डुमरिया थाना क्षेत्र के सिद्धपुर गांव निवासी यदु मिस्त्री की पत्नी सविता कुमारी के रूप में हुई है। डुमरिया थानाध्यक्ष राजू कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि सविता कुमारी के विरुद्ध माननीय न्यायालय से कुर्की वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद वह स्वयं डुमरिया थाना पहुंची, जहां पुलिस ने न्यायालय के आदेश के आलोक में उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला के विरुद्ध आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर जब्त, एक लाइनर बाइक समेत गिरफ्तार

संवाददाता

डुमरिया गया: भदवर थाना की पुलिस ने अवैध बालू के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के रबदी गांव से एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है. हालांकि पुलिस की कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहा. वहीं पुलिस ने इस मामले में एक कथित लाइनर को गिरफ्तार की है.पुलिस द्वारा गिरफ्तार लाइनर की पहचान थाना क्षेत्र के रबड़ी गांव निवासी अजीत रवानी (35 वर्ष), के रूप में किया गया है. गिरफ्तार वयक्ति के पास से एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है. भदवर थाना अध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा फरार ट्रैक्टर चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है.

ईसीएचएस के अंतर्गत सूचीबद्ध हुआ एम्स पटना

संवाददाता

पटना: देश के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत एम्स पटना को औपचारिक रूप से पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है। यह पहल बिहार तथा पड़ोसी राज्यों के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए उन्नत एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में एम्स पटना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत कुमार सिंह तथा कर्नल अरुण लाल, निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, ईसीएचएस, पटना ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल तथा ब्रिगेडियर अमित बेदी, उप जनरल ऑफिसर कमांडिंग, बिहार एवं झारखंड सब एरिया की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रधानाध्यापक शशि रंजन जी के सुपुत्र के रिंग शिरोमणि में जूटे गणमान्य लोग-दी असीम शुभकामनाएं

संवाददाता

जहानाबाद: जहानाबाद के नौरु निवासी शशि रंजन जी (प्रधानाध्यापक) के सुपुत्र एवं BRP पूनम कुमारी की सुपुत्री के रिंगशिरोमणि समारोह जहानाबाद के होटल ताज रेस्ट हाउस में हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। रिंग शिरोमणि समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि लोग भाग लेकर नवयुगल आशीष कुमार एवं आरूषी कुमारी को आशीष एवं शुभकामनाएं दी, इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने नवदांपत्य के उज्जवल भविष्य एवं सुखमय दाम्पत्य जीवन तथा परिवार की समृद्धि की मंगल कामना किया। पूरे समारोह में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित होने वालों में राजद के प्रधान महासचिव परमहंस राय, बीआरपी राजकुमार निराला, दिलीप कुशवाहा प्रदेश सचिव जदयू, अजय कुमार वर्मा, अरविंद कुमार, संतोष कुमार, संदीप कुमार, प्रद्युम्न कुमार, सुरेश वर्मा, डॉ. अशोक कुमार, रामप्रवेश यादव, ई.रमेश कुमार, कामेश्वर सिंह (अधिवक्ता) समेत सैकड़ो गणमान्य लोग।

विशेष राशन कार्ड अभियान शुरू, पात्र परिवारों से आवेदन करने की अपील

संवाददाता

मुंगेर। बिहार सरकार द्वारा पात्र एवं वंचित परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विशेष राशन कार्ड अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पात्र परिवारों से नए राशन कार्ड के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। साथ ही आवश्यकता के अनुसार राशन कार्ड से संबंधित अन्य कार्यों का भी निष्पादन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, जिनमें विधायक, जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, उप-प्रमुख, मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, नगर निकाय के जनप्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हैं, से अपने-अपने क्षेत्र में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की है। प्रशासन ने उनसे आग्रह किया है कि वे पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करें। ताकि कोई भी योग्य परिवार सरकार की जनकल्याणकारी खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित न रहे।

जिला प्रशासन ने संबंधित सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, आपूर्ति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों तथा अन्य संबंधित विभागों को अभियान का संचालन पूरी पारदर्शिता, सुगमता और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही आम नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया में हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया है।

35 लाख लाभार्थियों का पेंशन भुगतान करे सरकार: भाकपा

संवाददाता

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा है कि बिहार की डबल इंजन सरकार ने 35 लाख से अधिक वृद्ध लोगों का सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना बंद कर दी है। बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों की संख्या 1.32 करोड़ हैं, लेकिन पिछले दो महीने से 97 लाख लाभार्थियों के खाते में ही सरकार पेंशन की राशि भेज रही है। जिन लाभार्थियों के खाते में राशि नहीं भेजी जा रही है, वे रोज बैंक और प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं और दर दर की ठोकरे खा रहे हैं। बिहार में भाजपा का सरकार बने तीन महीने भी नहीं हुआ है।

भौतिक-कामनाओं की पूर्ति हेतु हुई थी 'माँ मनोकामना' की स्थापना : माँ विजया

संवाददाता

पटना: मनुष्य की भौतिक-कामनाओं की पूर्ति के लिए ही 'माँ मनोकामना देवी की स्थापना ब्रह्मलीन सदगुरुदेव महात्मा सुशील कुमार जी द्वारा की गयी थी। श्रद्धापूर्वक यहाँ प्रार्थना करने वालों की सदकामनाएँ अवश्य पूर्ण होती है। किन्तु मानव-जीवन का लक्ष्य यह नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति है, जिसके लिए साधना का मार्ग ही आवश्यक है।

यह बातें सोमवार को पर्यावरण कंपलेक्स स्थित माँ मनोकामना मंदिर में, अन्तर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के तत्त्वावधान में आयोजित, 'माँ मनोकामना देवी' की प्राण-प्रतिष्ठा की वर्षगाँठ और संस्था के संस्थापक ब्रह्मलीन सदगुरुदेव महात्मा सुशील कुमार के अवतरण दिवस समारोह में, अपना आशीर्वचन देती हुईं, संस्था की अध्यक्ष एवं ब्रह्मनिष्ठ सदगुरुमाता माँ विजया जी ने कही। माताजी ने कहा कि व्यक्ति प्रत्येक क्षण बदल रहा है। आज से २५ साल पहले व्यक्ति जैसा था, आज

वैसा नहीं दिखता। कुछ वर्षों के पश्चात आज जैसा भी नहीं दिखेगा। शरीर में अनेक कोशिकाएँ हैं, समस्याएँ भी तनी ही हैं। इनसे मुक्ति का मार्ग 'इस्सयोग' की साधना है, जिसका प्रवर्त्तन ब्रह्मलीन सदगुरुदेव महात्मा सुशील कुमार जी ने किया। 'इस्सयोग' संसार को दिया गया, उनका अनुपम उपहार है। माताजी ने कहा कि साधना और गुरुसेवा से मानसिक विकार दूर होते हैं। विकार दूर होने से कष्ट दूर होते हैं। यह जानकारी देते हुए, संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ ने बताया कि समारोह का उद्घाटन, श्रीमाँ के निदेशानुसार, संस्था के संयुक्त सचिव-सह-कोषाध्यक्ष ई उमेश कुमार ने दीप-प्रज्वलित कर किया। सदगुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण संस्था के सचिव कुमार सहाय वर्मा ने किया। पं प्रभात झा द्वारा किए गए 'गुरु शतनाम स्तोत्र' के पाठ से कार्यक्रम का विधिवत आरम्भ हुआ। इसके पश्चात एक घंटे के अखंड संकीर्तन, आधे घंटे की आह्वान की साधना, पूज्य गुरुदेव की आरती और फिर माँ मनोकामना के विधिवत पूजन और आरती की गयी। समारोह में, संस्था के संयुक्त सचिव लक्ष्मी प्रसाद साहू, संगीता झा, शिवम् झा, सरोज गुटगुटिया, दीनानाथ शास्त्री, सी एल प्रसाद, वंदना वर्मा, डा जेठानंद सोलंकी, डा दार्शनिका पटेल, माया साहू, विजय मालिनी, योगेन्द्र प्रसाद, डा जेठानंद सोलंकी, राधेश्याम पाण्डेय, गिरिजेश गुप्ता, वीरेन्द्र राय, ललन प्रसाद, आर सी तिवारी, विजय रंजन, ममता जमुआर, मंजिता अंजलि तथा विनोद तकियावाला समेत देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों की संख्या में इस्सयोगी उपस्थित थे।

संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किए गए उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल कर्मी

संवाददाता

पटना: सोनपुर मंडल में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को आज दिनांक 13 जुलाई 2026 को मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन कर्मचारियों को दिया गया।

जिन्होंने अपनी सतर्कता, सूझबूझ एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने तथा सुरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मानित कर्मचारियों में मनोज कुमार (लोको पायलट), रंजन कुमार सिंह (गार्ड, मालगाड़ी), सुधीर कुमार (टेक्नीशियन-क्क्क बरौनी) शामिल है ' मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन ने सम्मानित कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि रेल संरक्षा प्रत्येक रेलकर्मी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सतर्कता, अनुशासन एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए सुरक्षित रेल परिचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

जमोहर पितृपक्ष मेला व दाउदनगर जीतिया महोत्सव को राजकीय दर्जा देने के लिए सरकार का जताया आभार

संस्कृति पर्यटन और स्थानीय प्रतिभाओं को मिलेगा नया आयाम; महोत्सव पुरुष

संवाददाता

औरंगाबाद: बिहार सरकार द्वारा राजकीय कैलेंडर में जमोहर पितृपक्ष मेला को शामिल किए जाने तथा दाउदनगर जीतिया महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिए जाने पर महोत्सव परिवार एवं सांस्कृतिक जगत में हर्ष का माहौल है। महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जमोहर का पितृपक्ष मेला प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु अपने पितरों के पिंडदान की शुरूआत पुनपुन नदी के तट स्थित जमोहर से करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार प्रभु श्रीराम भी अपने पिता महाराज दशरथ के पिंडदान के क्रम में यहां आए थे। इसी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वर्ष 2025 में सामाजिक सहभागिता के सहयोग से पितृपक्ष महोत्सव की शुरूआत की गई थी, जिसके अध्यक्ष विष्णुधाम महोत्सव समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह थे।

उन्होंने कहा कि समाज के अनेक लोगों के निरंतर प्रयास और संघर्ष का ही परिणाम

है कि आज यह महोत्सव राजकीय स्वरूप प्राप्त कर चुका है। इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी तथा सरकार द्वारा आवश्यक आधारभूत व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

वहीं, कला कौशल मंच के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि दाउदनगर का जीतिया महोत्सव अपनी विशिष्ट लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के कारण देशभर में प्रसिद्ध है। इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा मिलने से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय कलाकारों, लोक प्रतिभाओं और युवा प्रतिभाशाली बच्चों को अपनी कला प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों महोत्सवों को राजकीय मान्यता मिलने से क्षेत्र के विकास, पर्यटन, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण के नए द्वार खुलेंगे। महोत्सव परिवार ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए बिहार सरकार का आभार व्यक्त करते हुए जमोहर एवं दाउदनगर सहित पूरे जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न हुई राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम संबंधी समीक्षा, डीएम सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद

संवाददाता

सासाराम। शुक्रवार को मुख्य सचिव, बिहार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के प्रभावी क्रियान्वयन, खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने, पारदर्शी वितरण व्यवस्था तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर समीक्षा की गई। रोहतास समाहरणालय से बैठक में जिला पदाधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य में निर्धारित सीमा के अंतर्गत 46, 93, 806 रिक्तियों को भरने के लिए 11, 04, 425 नए राशन कार्ड जारी किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रोहतास जिले के लिए 13 अगस्त 2026 तक 29, 586 नए राशन कार्ड जारी करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए प्रतिदिन 980 नए राशन कार्ड जारी करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों एवं संबंधित आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 13 अगस्त की समय-सीमा को अंतिम मानते हुए पूरी गंभीरता एवं मुस्तैदी के साथ कार्य करें। उन्होंने पात्र लाभुकों को समय पर राशन कार्ड उपलब्ध कराने, लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करने तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अभियान की प्रगति का आकलन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए स्वास्थ्य विभाग को समन्वित प्रयास करने को कहा। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए नवंबर 2026 तक निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने सभी जिलों को समयबद्ध ढंग से लक्ष्य पूरा करने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में माननीय मंत्री श्रवण कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएँ

बांकीपुर की जनता का भरपूर जनसमर्थन और आशीर्वाद एनडीए के साथ : श्रवण कुमार

संवाददाता

पटना। सोमवार को जद (यू) प्रदेश कार्यालय, पटना में बिहार सरकार के माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, माननीय विधायक श्री ललित नारायण मंडल, माननीय विधायक श्री इंद्रदेव पटेल एवं माननीय विधायक श्री अरुण मांझी उपस्थित रहे। इस मौके पर माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार ने कहा कि बांकीपुर एनडीएमय हो चुका है और वहाँ की जनता का भरपूर जनसमर्थन एवं आशीर्वाद एनडीए के साथ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद माननीय श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने विकास के जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, उनसे जनता अत्यंत प्रभावित है। वर्तमान में माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उसी विकास मॉडल को आगे बढ़ाते हुए जनकल्याण, सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है।

समाज सेवा के मिसाल थे देवनंदन बाबू, उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की जरूरत: सांसद

मादिंल गांव में हुआ प्रतिमा का अनावरण, जनप्रतिनिधियों के साथ गणमान्य लोगों की लगी जमघट

संवाददाता

जहानाबाद: पूर्व मुखिया, राजद के वरिष्ठ नेता तथा सहायक लोक अभियोजक रहे देवनंदन यादव की आदमकद प्रतिमा का अनावरण सोमवार को उनके पैतृक गांव मादिल में श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान, न्यायप्रियता और जनसेवा को याद करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि सांसद डा सुरेंद्र प्रसाद यादव व विधायक राहुल कुमार ने संयुक्त रूप से किया है । इस अवसर पर संसद ने कहा कि देवनंदन बाबू ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा, गरीबों की सहायता और न्याय दिलाने के लिए समर्पित

कर दिया। मुखिया के रूप में उन्होंने ईमानदारी, पारदर्शिता और जनहित की जो मिसाल कायम की, वह आज भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग का कोई भी व्यक्ति यदि न्याय की उम्मीद लेकर उनके पास पहुंचता था तो वे अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराते थे। साथ ही जिले में राष्ट्रीय जनता दल को मजबूत आधार देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राहुल कुमार ने कहा कि देवनंदन बाबू भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, विचार और समाज के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को उनके जीवन से सीख लेकर जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता अवधेश प्रसाद यादव ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक डा अरविंद कुमार चौधरी ने किया। उन्होंने देवनंदन बाबू के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की उपलब्धियों का उल्लेख किया। इस अवसर पर विधान पार्षद कुमार नागेंद्र उर्फ रिंकू यादव, अतरी के पूर्व विधायक कृष्णानंद यादव, अरवल के पूर्व विधायक रविंद्र सिंह, पूर्व विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, जिला परिषद अध्यक्ष अभिषेक रंजन उर्फ सोनू राधे, जिला पार्षद आभा रानी, राजद नेता परमहंस राय, शशि रंजन उर्फ पप्पू यादव, जदयू नेता जयप्रकाश नारायण, असलम गुड्डू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर देवनंदन बाबू को श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

टीबी मुक्त अभियान में औरंगाबाद का उत्कृष्ट प्रदर्शन राज्य के शीर्ष-5 जिलों में शामिल

संवाददाता

औरंगाबाद : मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत अभियान की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में औरंगाबाद जिला की उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की गई। बैठक में सभी जिलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि टीबी मुक्त अभियान* के अंतर्गत औरंगाबाद जिला राज्य के शीर्ष-5 जिलों में शामिल है। जिले में अब तक 61, 137 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जो निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्य का 258 प्रतिशत है। यह उपलब्धि जिले की स्वास्थ्य टीम, जिला प्रशासन एवं सहयोगी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। बैठक में बताया गया कि 14 अगस्त तक जिले में कुल 1, 48, 838 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित है। उल्लेखनीय है कि अभियान के प्रथम सप्ताह में जिले में लगभग 15, 000 स्क्रीनिंग ही हो सकी थी, जबकि निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप अब स्क्रीनिंग का आंकड़ा एक लाख से अधिक तक पहुंच चुका है। मुख्य सचिव ने इस उल्लेखनीय प्रगति की सराहना करते हुए अभियान की गति एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान की टीम को निरंतर सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाए रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि अभियान में एसडीसी (वरीय उप समाहर्ता) को नोडल की भूमिका में रखते हुए जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं व्यवहार परिवर्तन संबंधी गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध ढंग से प्राप्त किया जा सके। बैठक में यह भी बताया गया कि औरंगाबाद जिले में निक्षय मित्र के रूप में एनटीपीसी एवं बीआरबीसीएल सक्रिय रूप से अभियान का सहयोग कर रहे हैं। इनके माध्यम से टीबी मरीजों को पोषण सहायता एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अभियान को और मजबूती मिल रही है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने कहा कि औरंगाबाद जिले की यह उपलब्धि सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आशा कार्यकताओं, जीविका दीदियों, संबंधित विभागों तथा निक्षय मित्रों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल निर्धारित संख्या में स्क्रीनिंग करना नहीं, बल्कि प्रत्येक संभावित टीबी मरीज की समय पर पहचान कर उसे गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन अभियान की निरंतर निगरानी कर रहा है और 14 अगस्त तक निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने के साथ-साथ औरंगाबाद को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय से लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना अथवा अन्य टीबी संबंधी लक्षण हों तो वे निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में निःशुल्क जांच कराएं। समय पर जांच एवं उपचार से टीबी का पूर्ण इलाज संभव है। यह संस्करण प्रेस में प्रकाशित होने के लिए अधिक प्रभावी है क्योंकि इसमें मुख्य सचिव की समीक्षा, जिले की उपलब्धि, लक्ष्य, निक्षय मित्रों की भूमिका, जिलाधिकारी का संदेश तथा आमजन के लिए अपील—सभी शामिल हैं।

रोहतास डीएम की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक आयोजित

संवाददाता

सासाराम: समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में जिला पदाधिकारी रोहतास दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के लंबित कार्यों, अंतर्विभागीय समन्वय तथा विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी के द्वारा उक्त समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम विधि शाखा से प्राप्त प्रतिवेदन में लंबित CWJC/MJC वादों के निष्पादन की समीक्षा की गई। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम, जिला सहकारिता पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी आदि से लंबित उक्त CWJC/MJC वादों में माननीय न्यायालय में प्रतिशपथ दायर करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बाद सहयोग पोर्टल, जनता दरबार, CPGRAMS तथा सीएम डैशबोर्ड पर प्राप्त लंबित आवेदनों की समीक्षा की गई।

डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को त्वरित राहत मिल सके। बैठक में कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, एलएईओ-01, पथ प्रमंडल रोहतास एवं बिक्रमगंज, पीएचईडी, लघु सिंचाई विभाग, सिविल सर्जन सहित विभिन।

संक्षिप्त खबरें

इंग्लैंड के खिलाफ महिला टेस्ट में भारत बेहद मजबूत, यास्तिका भाटिया पहले शतक के करीब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने अपनी पकड़ बेहद मजबूत कर ली है। मुकाबले के तीसरे दिन रविवार को लंच के समय तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 250 रन बना लिए हैं। पहली पारी में मिली 115 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त के आधार पर अब भारतीय टीम की कुल बढ़त 365 रनों की हो चुकी है। भारतीय पारी को विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बेहद धैर्य और संयम के साथ संभाले रखा। यास्तिका फिलहाल 91 रन बनाकर क्रीज पर टटी हुई हैं और वह अपने पहले टेस्ट शतक से केवल नौ रन की दूरी पर हैं। उन्होंने तीसरे दिन की शुरूआत 39 रन से की थी और लंच ब्रेक तक 139 गेंदों का सामना करते हुए बेहद सूझबूझ भरी बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। इससे पहले, दिन की शुरूआत एक विकेट पर 154 रन के स्कोर से करने के बाद भारतीय टीम को कुछ शुरूआती झटके लगे। इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन बेल ने भारतीय बल्लेबाजी को परेशान करते हुए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को जल्दी-जल्दी पवेलियन का रास्ता दिखाया। बेल ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। शानदार बल्लेबाजी कर रहीं स्मृति मंधाना 70 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स केवल तीन रन ही बना सकीं।

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी अच्छी शुरूआत मिलने के बाद बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। वह सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर आउट होने से पहले 34 गेंदों में केवल 16 रन ही बना सकीं। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 84 रन देकर दो विकेट हासिल किए हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट में 'बजबॉल' युग का अंत, टेस्ट टीम के कोच पद से ब्रेंडन मैकुलम की छुट्टी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने का फैसला किया है। हालांकि वह अभी भी इंग्लैंड की एकदिवसीय और टी-20 टीमों के मुख्य कोच बने रहेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह फैसला अगले साल होने वाली एशेज श्रृंखला की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बता दें कि ब्रेंडन मैकुलम ने वर्ष 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली थी। उनके साथ कप्तान बेन स्टोक्स की जोड़ी ने टीम की खेलने की शैली पूरी तरह बदल दी थी। आक्रामक क्रिकेट के इस अंदाज को दुनिया भर में "बाजबॉल" के नाम से पहचान मिली। टीम ने कई यादगार जीत दर्ज कीं, लेकिन एशेज श्रृंखला जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके कुछ समय बाद बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। माना जा रहा है कि इन घटनाओं के बाद बोर्ड ने टेस्ट टीम में नई शुरूआत करने का फैसला लिया हैं। ब्रेंडन मैकुलम ने इस फैसले पर निराशा जताई, लेकिन बोर्ड के निर्णय का सम्मान भी किया।

उन्होंने कहा कि टेस्ट टीम के साथ काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और उन्हें टीम की उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका पूरा ध्यान सीमित ओवर क्रिकेट में इंग्लैंड को आगे ले जाने पर रहेगा हैं।

टीम इंडिया में इंजरी का कहर! हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती बाहर, प्रिंस-बिश्नोई को मिला मौका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मांसपेशियों में खिंचाव के कारण अनिश्चितकाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह भारत की आगामी एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। प्रिंस, राणा की जगह इंग्लैंड में भारतीय एकदिवसीय टीम से जुड़ेंगे। ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के 17वें ओवर में 29 रन खर्च कर भारत की हार के कारण बने लेग स्पिनर बिश्नोई को जिम्बाब्वे में इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चक्रवर्ती की जगह एक और मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, ''राणा ने ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के दौरान अपने दाहिने पैर में अचानक तकलीफ महसूस की। बाद में हुए स्कैन में 'ग्रेड-एक हैमस्ट्रिंग' चोट की पुष्टि हुई।'' बयान के अनुसार, ''उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। आगे की जांच और उपचार के लिए उन्हें बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) भेजा जाएगा।'' चक्रवर्ती 'ग्रेड-दो हैमस्ट्रिंग' चोट से जूझ रहे हैं। इस चोट के कारण उनके पूरी तरह फिट होने में तीन से छह महीने का समय लग सकता है। वह 35 वर्ष के होने वाले हैं, ऐसे में फिटनेस हासिल करने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगने की संभावना है। बीसीसीआई के मुताबिक, ''इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान चक्रवर्ती को बाएं पैर की मांसपेशियों में अचानक तकलीफ महसूस हुई। बाद में एमआरआई स्कैन में 'ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग' चोट की पुष्टि हुई।'' बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, ''विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह के आधार पर उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है।वह इलाज के लिए बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में रहेंगे।'' इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अपडेटेड टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़ और प्रिंस यादव। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की अपडेटेड टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर) और रवि बिश्नोई।

लियोनेल मेस्सी का इतिहास रचने वाला पल, इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच, फीफा विश्व कप फाइनल पर नजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी अपने इंटरनेशनल करियर में पहली बार बुधवार को अटलांटा में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेंगे, जिसमें फाइनल में जगह बनाने का दांव लगा होगा। बीस से ज्यादा सालों तक अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व करने और वर्ल्ड कप जीतने वाले हर दूसरे देश के खिलाफ खेलने के बावजूद, मेसी कभी इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेले हैं। यह बहुप्रतीक्षित मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता में एक नया अध्याय जोड़ता है। अर्जेंटीना की स्विट्जरलैंड पर एक्स्ट्रा-टाइम में 3-1 से जीत के बाद सेमीफाइनल में जगह पक्की होने पर मेसी ने कहा कि सच तो यह है कि यह खास है। यह एक खास मैच है क्योंकि मैं पहली बार ऐसा कर रहा हूं। मैंने इंग्लैंड को छोड़कर बाकी सभी टीमों के खिलाफ खेला है। और जैसा कि मैंने पहले कहा, यह खास है क्योंकि वे एक बड़ी टीम हैं, एक पावरहाउस हैं। ऐसी टीमों के खिलाफ, ऐसे मैचों में और खासकर वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा अच्छा लगता है।

शुभमन गिल समेत 3 खिलाड़ियों ने जून में किया कमाल

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने सोमवार को जून 2026 के लिए ICC मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनीज की घोषणा की। ICC की वेबसाइट के अनुसार, बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और भारत के कप्तान शुभमन गिल को अलग-अलग फॉर्मेट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पहचान मिली है। नॉमिनीज को महीने के दौरान मैच जिताने वाले उनके योगदान के लिए सराहा गया; उन्होंने अपनी टीमों की अहम सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई।

चार साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने के बाद मोसादेक हुसैन ने शानदार वापसी की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश की ऐतिहासिक 2-1 वनडे इंटरनेशनल (ODI) सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। नवंबर 2022 के बाद अपने पहले इंटरनेशनल मैच में मोसादेक ने नाबाद 86 रन बनाए, दो विकेट लिए और दौड़ते हुए एक शानदार कैच पकड़ा, जिससे बांग्लादेश ने 86 रनों से जीत हासिल की। उन्होंने 157 रनों (जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे) के साथ बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर सीरीज खत्म की, जो देश की सबसे यादगार वनडे जीतों में से एक में उनकी अहमियत को दिखाता है। जून में इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीतने में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए नाथन स्मिथ ने शानदार प्रदर्शन किया। लॉर्ड्स में पहला टेस्ट हारने के बावजूद, यह तेज गेंदबाज 16 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला खिलाड़ी बना और उसे 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन पहले टेस्ट में रहा, जहाँ उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए और दूसरी पारी में 70 रन देकर 6 विकेट लेने का कमाल दिखाया। स्मिथ ने अहम मौकों पर विकेट लेकर अपनी शानदार फॉर्म बनाए रखी, जिससे न्यूजीलैंड को वापसी करने और सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैच जीतने में मदद मिली। कई मुख्य तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण बाहर रहने के बावजूद, स्मिथ ने कमजोर पड़ चुके बॉलिंग अटैक की बेहतरीन ढंग से अगुवाई की। भारत के कप्तान शुभमन गिल के लिए जून का महीना बल्लेबाजी के लिहाज से बहुत शानदार रहा।

उन्होंने जून की शुरूआत अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में संयम के साथ 126 रन बनाकर की, जिससे भारत को पारी से जीत मिली। यह उनका 11वां टेस्ट शतक था, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। गिल ने वनडे सीरीज में भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और दो पारियों में कुल 238 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में 66 गेंदों पर 84 रन बनाए और फिर लखनऊ में 110 गेंदों पर शानदार 154 रनों की पारी खेली।

'हाइप के अलावा कुछ नहीं था', वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू को लेकर गंभीर पर आगबबूला हुआ पूर्व भारतीय दिग्गज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिला। वे टीम इंडिया के लिए सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। आईपीएल 2026 में धमाल मचाने वाले वैभव उस कमाल को इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं दोहरा सके, जिसकी वजह से उन्हें पांचवें टी20 मैच से बाहर कर दिया गया। वैभव को लेकर टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का कहना है कि उन्हें खिलाने के लिए जल्दबाजी की गई। उनका मानना है कि सूर्यवंशी को मीडिया हाइप की वजह से टीम में शामिल किया गया। पूर्व क्रिकेटर का ये भी मानना है कि संजू सैमसन को वैभव के लिए टीम से बाहर नहीं करना चाहिए था। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए जाफर ने कहा, "मुझे लगता है कि वैभव को टीम में शामिल करने के लिए हमने जल्दबाजी की। मीडिया में उनके बारे में बहुत चर्चा थी और उन्हें खेलते हुए देखकर लोग काफी इमोशनल थे। मैंने तो पहले भी कहा था कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। वैभव को अपने मौके का इंतजार करना पड़ा और जब आया, तो वो भुना सकता था।

वो अभी बहुत छोटा है और टीम के साथ बाहर रहकर बहुत कुछ सीख सकता है।" जाफर का कहना है कि मीडिया हाइप की वजह से टीम मैनेजमेंट ने वैभव को मौका दिया। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ऐसा लगा कि हम मीडिया हाइप में बह गए। वैभव जब नहीं खेल रहा था, तो उसकी बहुत चर्चा हो रही थी।

मुश्किल में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर, पत्नी ने लगाए अवैध संबंध के आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में इस समय भूचाल मच गया है। महिला टीम की उपकप्तान एश्ले गार्डनर पर उनकी पत्नी मोनिका राइट ने धोखा देने के आरोप लगाए हैं। दोनों की शादी हो चुकी थी, लेकिन हाल के दिनों में दोनों साथ नहीं रह रही थीं। पिछले साल भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के दौरान इन दोनों के बीच विवाद हो गया था और फिर शादी टूट गई थी। सोमवार को ये विवाद उस समय और गहरा गया जब राइट ने सार्वजनिक रूप से ये खुलासा कर दिया कि गार्डनर किसके साथ मिलकर उन्हें धोखा दे रही हैं। दोनों की मुलाकात साल 2020 में एक डेटिंग एप से हुई थी। 2025 में दोनों ने शादी रचाई। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल भारत में खेले गए वर्ल्ड कप के बाद से दोनों के बीच में संबंध अच्छे नहीं रहे हैं।

राइट वर्ल्ड कप के बीच में गार्डनर से मिलने भारत आई थीं और ये उन्हें पसंद नहीं आया था। डेली मेल ने अपनी रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा है कि, "वर्ल्ड कप के दौरान गार्डनर का व्यवहार कुछ अलग था। वह कुछ उदास रहती थीं, लेकिन हमें लगा कि ये वर्ल्ड कप का दबाव है।"

यास्तिका भाटिया का लॉर्ड्स में 'शतकीय' सलाम!

रिकॉर्ड बनाने के बाद बोलीं- 'सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया का मानना है कि उनका ''सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है।'' भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में 158 गेंद पर 113 रन बनाए, जिसके बाद भारत ने तीसरे दिन चायकाल के ठीक पहले अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी और मेजबान इंग्लैंड के सामने 457 रन का विशाल लक्ष्य रखा। भाटिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, ''यह (लॉर्ड्स में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनना) अविश्वसनीय है क्योंकि छह महीने पहले मैं पूरी तरह से विपरीत स्थिति में थी और अगर तब किसी ने कहा होता कि मेरा नाम लॉर्ड्स के सम्मान बोर्ड में होगा तो मैं इस पर विश्वास नहीं करती।'' उन्होंने कहा, ''अभी तो इससे बेहतर प्रदर्शन करना बाकी है। मैं शुरू से यही मानती रही हूं कि मैं पहले से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हूं। लेकिन अब तक का समय वाकई बहुत अच्छा रहा है। यह तो बस शुरूआत है। अभी बहुत कुछ आना बाकी है और मैं उसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'' उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, टीम के साथियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को दिया, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में उनके बाएं घुटने में लगी गंभीर चोट से उबरने में उनकी मदद की। इस चोट के लिए उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी थी और वह स्वदेश में खेले गए वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाई थी जिसमें भारत विजेता रहा था। भाटिया ने कहा, ''पर्दे के पीछे बहुत से लोग काम कर रहे हैं, मेरा परिवार, मेरे पिता, मां, मेरी बहन, वे मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा रहे हैं। मेरे कोच, यहां टीम के सहयोगी स्टाफ के सदस्य और टीम के मेरे साथियों, सभी ने मेरा साथ दिया।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा सीओई (बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) भी, जहां मैंने चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान काफी समय बिताया। इन सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके बिना यह संभव नहीं होता।'' भाटिया ने कहा कि जब वह चोट के कारण बाहर थी तब खेल के प्रति उनके जुनून ने उन्हें सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने में मदद की।

उन्होंने कहा, ''सर्जरी के बाद मुझे बिल्कुल नए सिरे से शुरूआत करनी पड़ी। दो महीने तक मुझे पूरी तरह से आराम करना पड़ा। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा था कि मैं इस चोट से उबरकर वापसी कर सकती हूं। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं, लेकिन खेल के प्रति प्यार और खुद पर विश्वास रखना बेहद जरूरी है।'' भाटिया ने अपने शतक के बारे में कहा, ''मैंने शतक बनाने के बारे में नहीं सोचा, बल्कि अच्छी गति से बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान दिया ताकि हमें उनके 10 विकेट लेने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। यही मेरे दिमाग में था। देश के लिए खेलना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।

नॉर्वे के कोच का दावा 'तार से टकराई गेंद'

फीफा ने सेंसर डेटा से खारिज किया पूरा आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच खेला गया मुकाबला अब केवल नतीजे की वजह से नहीं, बल्कि एक विवादित गोल के कारण भी चर्चा में है। मुकाबले के बाद नॉर्वे के मुख्य कोच स्टोले सोलबाकेन ने इंग्लैंड के बराबरी वाले गोल पर सवाल उठाए और कहा कि ऐसा लगा जैसे गेंद ऊपर लगे कैमरा तार से टकराकर अचानक नीचे आ गई थी। बता दें कि यह मुकाबला अतिरिक्त समय तक चला, जिसमें जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मैच के दौरान सबसे पहले नॉर्वे ने एंड्रियास शेल्डेरुप के शानदार प्रयास से बढ़त बनाई थी। इसके बाद पहले हाफ के अतिरिक्त समय में जूड बेलिंगहैम ने इंग्लैंड के लिए बराबरी का गोल किया, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, नॉर्वे के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन का मानना था कि गोल बनने से ठीक पहले गेंद ऊपर लगे कैमरा तार से टकराई थी, जिससे उसकी दिशा बदल गई और इंग्लैंड को फायदा मिला। स्टोले सोलबाकेन ने कहा कि गेंद सीधे आसमान से नीचे गिरती हुई दिखाई दी, जिससे उनके खिलाड़ियों के बीच भ्रम की स्थिति बन गई। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि अब मैच दोबारा नहीं खेला जाएगा और परिणाम स्वीकार करना ही होगा। दूसरी ओर, फीफा ने पूरे मामले पर आधिकारिक बयान जारी किया। फीफा के मुताबिक, गेंद में लगे विशेष सेंसर के आंकड़ों की जांच की गई, जिसमें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि गेंद किसी कैमरा तार या अन्य बाहरी वस्तु से टकराई हो। फीफा ने स्पष्ट किया कि यदि गेंद किसी चीज से टकराती तो सेंसर में उसका रिकॉर्ड दर्ज होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। स्टोले सोलबाकेन ने कहा कि उन्होंने खुद उस क्षण गेंद को तार से टकराते हुए नहीं देखा, लेकिन गोलकीपर ओरजान नाइलैंड सहित कई खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को ऐसा महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि फीफा के तकनीकी आंकड़ों के खिलाफ वह कुछ नहीं कह सकते, लेकिन मैदान पर मौजूद कई लोगों का मानना है कि गेंद की दिशा असामान्य तरीके से बदली थी। गौरतलब है कि नॉर्वे ने वर्ष 1998 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाई थी और इस बार पहली बार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचा। हालांकि टीम का सफर यहीं समाप्त हो गया।

स्टोले सोलबाकेन ने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनकी टीम की इस शानदार उपलब्धि को केवल इस विवाद से याद किया जाए, बल्कि खिलाड़ियों के पूरे अभियान की सराहना होनी चाहिए।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर बीसीसीआई चिंतितः सूर्यकुमार यादव की वापसी तय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि अगर सूर्यकुमार यादव घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी कर सकते हैं। यादव, जिनकी कप्तानी में भारत ने 2026 T20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था, उन्हें हाल ही में T20I कप्तानी से हटा दिया गया था और आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों से पहले खराब बल्लेबाजी के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था।

उन्हें हटाए जाने के बाद, श्रेयस अय्यर को नया T20I कप्तान बनाया गया। हालांकि, अय्यर की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन गिरा है; इसमें आयरलैंड से 2-0 से सीरीज हारना और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की T20I सीरीज में 4-0 से हारना शामिल है, जबकि पहला मैच बारिश के कारण बिना किसी नतीजे के खत्म हुआ था। BCCI के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के लिए अभी भी रास्ते खुले हैं। फि लहाल वे टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन अगर वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाते हैं, तो उनकी वापसी हो सकती है।

अय्यर की कप्तानी में, भारत को साउथेम्प्टन में खेले गए पांचवें T20I मैच में 56 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पहला मैच बारिश की वजह से रद्द होने के बाद, भारत यह सीरीज इंग्लैंड से 4-0 से हार गया। इससे पहले भारत को क्रमशः नौ विकेट, 125 रन और चार विकेट से हार मिली थी। यह हार, साल की शुरूआत में आयरलैंड के खिलाफ T20I सीरीज में मिली 2-0 की हार के बाद आई; यह आयरलैंड के खिलाफ भारत की पहली द्विपक्षीय T20I सीरीज हार थी।

आईपीएल इतिहास की सबसे सफल साझेदारी खत्म!

18 साल बाद सीएसके और स्टीफन फ्लेमिंग का रास्ता अलग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने लंबे समय से हेड कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने का फैसला किया है। इसके साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में से एक का अंत हो गया है। फ्लेमिंग सबसे पहले 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान एक खिलाड़ी के तौर पर सीएसके से जुड़े थे और 2009 में उन्होंने हेड कोच की भूमिका संभाली थी। अगले 17 सालों में, उन्होंने क्रिकेट की सबसे सफल फ्रैंचाइजी प्रणालियों में से एक को बनाने में अहम भूमिका निभाई।

फ्लेमिंग के हेड कोच रहते हुए, सीएसके ने पांच आईपीएल खिताब और दो चैंपियंस लीग T20 टूर्नामेंट जीते। टीम ने रिकॉर्ड 12 बार आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाई और 10 बार आईपीएल फाइनल खेला। यह फैसला सीएसके के एक और निराशाजनक आईपीएल सीजन के बाद लिया गया है, जिसमें टीम आठवें स्थान पर रही और लगातार तीसरे सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। फ्लेमिंग ने कहा कि खेल की दुनिया में अठारह साल का समय बहुत लंबा होता है, और मैं यहां से सिर्फ. आभार के साथ जा रहा हूं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया गया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे यादगार अनुभव रहा है। हमने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है। उन्होंने कहा कि हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं, मुश्किल पलों का सामना किया और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। CSK हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी और मैं आने वाले सालों में भी टीम का हौसला बढ़ाता रहूंगा। सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर KS विश्वनाथन ने कहा कि फ्रेंचाइजी पर फ्लेमिंग का असर सिर्फ. मैदान तक ही सीमित नहीं है। विश्वनाथन ने कहा कि इस सफर की शुरूआत से ही, फ्लेमिंग ने न सिर्फ.हमारे खेलने के तरीके को तय करने में मदद की, बल्कि यह भी तय किया कि एक फ्रेंचाइजी के तौर पर हम क्या बनना चाहते हैं।

विश्वनाथन ने कहा कि उन्होंने निरंतरता, विनम्रता और टीम को सबसे ऊपर रखने पर आधारित एक कल्चर बनाया। लोगों को समझने और टीम के हर सदस्य से उनका बेस्ट निकलवाने की उनकी काबिलियत उनकी सबसे बड़ी खूबियों में से एक रही है। उनका असर मैदान की सीमाओं से कहीं आगे तक है और हमें इस शानदार सफर को साथ मिलकर तय करने पर गर्व है।

विश्व कप गोल्डन बूट की जंग: लियोनेल मेस्सी और किलियन म्बाप्पे में कांटे की टक्कर, कौन मारेगा बाजी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मौजूदा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले छह खिलाड़ियों में से पांच खिलाड़ी अब भी मैदान में बने हुए हैं जिससे 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ रोचक बन गई है। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी और फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने आठ-आठ गोल किए हैं और वह 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ में सबसे आगे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच विश्व कप करियर में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाने के लिए भी रोचक जंग चल रही है। मेस्सी ने अभी तक सभी विश्व कप में कुल मिलाकर 21 गोल किए हैं जबकि एमबाप्पे के नाम पर 20 गोल दर्ज हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों कीसूची में इन दोनों के बाद नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड का नंबर आता है जिन्होंने सात गोल किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

बॉम्बे हाई कोर्ट: महिला के बेडरूम में बिना इजाजत घुसना प्राइवेसी का उल्लंघन, पुलिस पर 10,000 का जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना पुलिस का किसी महिला के बेडरूम में जबरन घुसना और उसका मोबाइल फोन जब्त करना, उसकी प्राइवेसी और गरिमा का उल्लंघन है। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को 26 साल की याचिकाकर्ता को मुआवजे के तौर पर 10,000 रुपये देने का निर्देश दिया। नागपुर बेंच के जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के और निवेदिता मेहता ने कहा कि प्राइवेसी का अधिकार, संविधान के आर्टिकल 21 के तहत गारंटीकृत जीवन और व्यक्तिगत आजादी के अधिकार का एक अहम और अटूट हिस्सा है, और इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। पिछले हफ़्ते दिए गए आदेश की कॉपी सोमवार को उपलब्ध कराई गई।

बेंच ने कहा कि कानूनी सुरक्षा उपायों का पालन किए बिना किसी नागरिक के घर में, खासकर किसी महिला के बेडरूम में घुसना और जबरदस्ती उसका मोबाइल फोन जब्त करना, निजता और सम्मान का गंभीर उल्लंघन है। कोर्ट ने पुलिस के उस दावे को खारिज कर दिया कि तलाशी किसी अपराध की जांच के तहत ली गई थी। कोर्ट ने कहा कि इससे विधायिका द्वारा तय किए गए जरूरी सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज करना सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी से कानून के दायरे में रहकर काम करने की उम्मीद की जाती है, और जांच का मकसद किसी ऐसी तलाशी या जब्ती को सही नहीं ठहरा सकता जो असल में गैर-कानूनी हो।

पश्चिम बंगाल: अपराधियों पर नकेल कसने के लिए नए कानून लागू, दंगाइयों की संपत्ति कुर्क करने का मिला अधिकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में संगठित अपराध और हिंसक विरोध-प्रदर्शनों पर लगाम कसने के उद्देश्य से सोमवार को दो महत्वपूर्ण कानून प्रभावी हो गए हैं। इन कानूनों के जरिए प्रशासन को संदिग्धों को बिना मुकदमे के हिरासत में लेने और दंगों के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने जैसे कड़े अधिकार दिए गए हैं। 'पश्चिम बंगाल जन सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण अधिनियम 2026' और 'पश्चिम बंगाल लोक व्यवस्था अनुरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2026' को राज्य विधानसभा ने 29 जून को ही मंजूरी दे दी थी। नए गुंडा रोधी कानून के तहत अब जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त किसी भी ऐसे व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक एहतियाती हिरासत में रख सकते हैं, जिसके असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का अंदेशा हो। हालांकि, इस तरह की हिरासत के लिए 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार की मंजूरी अनिवार्य होगी। इसके अलावा, उच्च न्यायालय के वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला एक सलाहकार बोर्ड तीन सप्ताह के भीतर इस आदेश की समीक्षा करेगा। कानून के दायरे को बढ़ाते हुए अब इसमें केवल आदतन अपराधियों को ही नहीं, बल्कि संगठित गिरोहों के सदस्यों, अवैध हथियारों, विस्फोटकों और ड्रग्स (एनडीपीएस) से जुड़े बार-बार अपराध करने वाले लोगों को भी शामिल किया गया है। असामाजिक गतिविधियों की परिभाषा में अब सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जा करने, वैध कारोबार में बाधा डालने और समाज में दहशत फैलाने जैसे कृत्यों को भी जगह दी गई है। इसके अलावा अवैध खनन और वन्यजीव अपराधों को भी इस कानून के अंतर्गत लाया गया है।

सड़क पर बिछ गई लाशें, मंजर देखकर कांप उठीं सांसें... शादी समारोह से लौट रहे 13 लोगों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां शादी समारोह की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। एक खुले पिकअप ट्रक में सवार होकर घर लौट रहे लोग जैसे ही हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए रुके, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप उछलकर विपरीत दिशा की लेन में जा गिरा और सामने से आ रहे दूसरे भारी ट्रक की चपेट में आ गया। दो ट्रकों के बीच सैंडविच बने इस वाहन के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर लाशों का ढेर लग गया। इस रूह कंपा देने वाले हादसे में 13 लोगों की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। मौके पर चीख-पुकार और बिखरे हुए खून को देखकर वहां मौजूद हर शख्स की रूह कांप उठी।

स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंडांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय राजमार्ग पर हुई। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी लोग एक खुले पिकअप ट्रक में सवार थे। राजमार्ग पर यू-टर्न लेने के लिए डिवाइडर के पास वाहन की रफ्तार धीमी हुई और वह रुक गया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक ट्रक ने पिकअप ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, ''टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप ट्रक सामने वाली लेन में जा पहुंचा, जहां विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य ट्रक ने उसे फिर टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर के कारण पिकअप में सवार 12 से अधिक लोग सड़क पर जा गिरे।''

ईरान युद्ध के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने किया ऐसा पोस्ट, मची खलबली!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक तरफ ईरान अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर रहा है तो दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत किया है। ईरान का संदेश साफ है वो पीछे हटने को तैयार नहीं है। किसी भी सैन्य कार्यवाही का जवाब उसी अंदाज में दिया जाएगा। वहीं वाशिंगटन का कहना है कि वो अपने सैनिकों, अपने ठिकानों और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। इस बीच एक बड़ी खबर है। सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति का पोस्ट सामने आया है। बी2 बॉम्बर और फाइटर जेट्स की तस्वीरें पोस्ट की है। ईरान अपनी शक्ति प्रदर्शन कर रहा है। क्यों कर रहा है? यूएस अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहा है। क्यों कर रहा है? आपके बीच में तो संधि हो रखी है। आपके बीच में एक एमओयू है। आपको तो बातचीत कर कर प्रॉब्लम सॉल्व करनी थी।

क्योंकि बातचीत इसलिए नहीं हो रही क्योंकि दोनों के दोनों टेबल पर अपने आप को स्ट्रांग दिखाना चाहते हैं। पोजीशन ऑफ स्ट्रेंथ दिखाना चाहते हैं। अमेरिका ईरान के बीच में तनाव बढ़ गया है और F35 की तस्वीर साझा की है। यह साफ तौर पर चेतावनी है। यह दिखाने की कोशिश है कि अमेरिकी सेना हर वक्त तैयार है। ये तस्वीरें एक बार फिर ईमान की साझा की है और ईरान यूएस के बीच में तनाव लगातार जारी है। ईरान के खिलाफ सऊदी बेस का इस्तेमाल कर रहा है अमेरिका। यह बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

भारत-रूस ने मिलकर किया खेल!

बौखलाया अमेरिका, ठोकेगा 500% टैरिफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच एक बार फिर रूस को लेकर तनाव बढ़ सकता है और इस बार वजह है अमेरिका में तैयार किया जा रहा एक नया प्रतिबंध कानून जिसका सीधा असर रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पड़ सकता है। भारत पिछले कुछ सालों से रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता कच्चा तेल खरीद रहा है। अब अमेरिका के कुछ सांसदों का कहना है कि अगर कोई देश रूस से तेल खरीदना जारी रखता है तो उस पर भारी टेरिफ लगाया जाना चाहिए। शुरूआती ड्राफ्ट में तो 500% तक टेरिफ लगाने का प्रस्ताव भी रखा गया। हालांकि यह कानून अभी लागू नहीं हुआ और इसके अंतिम ड्राफ्ट का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन इसने भारत समेत कई देशों की चिंता जरूर बढ़ा दी है। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर अमेरिका का नया बिल क्या है? भारत का नाम इसमें बार-बार क्यों लिया जा रहा है और अगर यह कानून लागू होता है तो इसका भारत पर कितना असर पड़ सकता है?

फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका और यूरोप के कई देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। मकसद था रूस की कमाई कम करना ताकि उसके लिए युद्ध जारी रखना मुश्किल हो जाए। लेकिन भारत ने इस दौरान रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया। इसकी सबसे बड़ी वजह थी सस्ता कच्चा तेल। रूस ने भारत को बाजार भाव से कम कीमत पर तेल बेचा और भारत ने अपने राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खरीद जारी रखी। दरअसल भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर सस्ता तेल मिलता है तो उसका सीधा फायदा देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों दोनों को होता है और यही वजह है कि भारत ने साफ कहा कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर फैसले लेगा। और अब अमेरिका में सेंशनिंग रशिया नाम से एक नया बिल तैयार किया जा रहा है। इस बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के सांसदों का समर्थन मिल रहा है। इसका मकसद सिर्फ रूस पर प्रतिबंध लगाना नहीं बल्कि उन देशों पर आर्थिक दबाव बनाना है जो रूस से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम और दूसरे ऊर्जा उत्पाद खरीद रहे हैं। सबसे बड़ी बात इस बिल के शुरूआती ड्राफ्ट में सबसे ज्यादा चर्चा 500% टेरिफ के प्रस्ताव को लेकर हुई।

आसान भाषा में समझे तो जब कोई देश दूसरे देश से आने वाले सामान पर अतिरिक्त टैक्स लगाता है उसे टेरिफ कहा जाता है। अगर अमेरिका भारत के सामान पर बहुत ज्यादा टेरिफ लगा देगा तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे। इससे भारत का निर्यात प्रभावित हो सकता है और कई उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि राहत की बात यह है कि अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस बिल में कुछ बदलाव किए जाएंगे और 500% जैसे बेहद सख्त टेरिफ को कम किया जा सकता है। लेकिन अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ क्योंकि बिल का फाइनल ड्राफ्ट सामने आना बाकी है। यह पूरा मामला ऐसे समय में सामने आया जब ट्रंप की वापसी के बाद अमेरिका की व्यापार नीति पहले से ज्यादा सख्त नजर आ रही है। एक ओर ईरान युद्ध चल रहा है। ट्रंप लंबे समय से टेरिफ को एक बड़े हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले कुछ वक्त में भारत और अमेरिका के बीच भी व्यापार को लेकर कई बार तनातनी देखने को मिली। कुछ भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त टेरिफ लगाने की घोषणा हुई। फिर दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद कई मामलों में राहत भी दी गई।

यूक्रेन से लौटते ही मौत, क्या रूस ने दिया ट्रंप के करीबी सांसद को जहर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लिंडसे ग्राहम सिर्फ ईरान की हिट लिस्ट पर ही नहीं थे बल्कि वह रूस के रडार पर भी थे। इसलिए एक थ्योरी यह भी दी जा रही है कि क्या उनकी हत्या के पीछे ईरान के साथ-साथ रूस का भी हाथ है? इस थ्योरी के पीछे तथ्य और दलीलें क्या दी जा रही है? क्या रूस ने लिंडसेग्राहम की मौत की साजिश रची है? क्या रूसी एजेंट्स ने लिंड से ग्राहम को जहर देकर मार दिया? लिंडसे ग्राहम की मौत के पीछे का सस्पेंस जैसे-जैसे गहराता जा रहा है, वैसे-वैसे उनकी मौत के पीछे कई थ्योरी सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक थ्योरी उनकी मौत को रूसी साजिश से जोड़ रही है। यह दावा सबसे पहले अमेरिकी खोजी पत्रकार लोरा लूमर ने किया। लोरा लूमन ने लिंड सेग्राहम की मौत के तुरंत बाद एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्या रूस ने लिंड सेग्राहम को जहर दे दिया। उन्होंने इस एंगल से जांच की मांग की है। लिंटसे ग्राहम की मौत 12 जुलाई को हुई है। लेकिन इससे ठीक पहले वो यूक्रेन में थे। लिंडसे ने 10 जुलाई को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वदम जेलस्की के साथ बैठक की थी। लिंडसे ने यूक्रेन को अमेरिका के पूर्ण समर्थन की बात कही थी। साथ ही वो रूस पर नए प्रतिबंधों को लेकर लगातार ट्रंप के साथ चर्चा कर रहे थे। अपनी कीव यात्रा के दौरान लिंडसेग्राहम ने रूस पर नए प्रतिबंधों को लेकर क्या कहा था आपको वो सुनना चाहिए। लिंडसेग्राहम ने यह बयान दिया और उसके 48 घंटे के भीतर उनकी मौत हो। ब्लुमेंथल ने कहा कि ग्राहम अपनी मजी से चलने वाले" इंसान थे और उन्हें मजबूत इरादों वाला, बेहद जुनूनी और कभी-कभी अप्रत्याशित बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि दुख और अन्याय देखकर वे बहुत दयालु और सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति बन जाते थे।" उन्होंने यह भी बताया कि वीकेंड पर उनकी ग्राहम से बात हुई थी और वे प्रतिबंधों के पैकेज को आगे बढ़ाने को लेकर बहुत उत्साहित" थे।

सांसें थमीं, खुशियां जलीं.. पब के बाथरूम में झुलसी पड़ी 27 लाशें, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक मंजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक मशहूर पब में सोमवार तड़के काल ने ऐसा क्रूर तांडव मचाया कि देखने वालों की रूह कांप उठी। 'ना लादप्राओ' पब में जब नाइट पार्टी की खुशियां चरम पर थीं, तभी एक शॉर्ट सर्किट के जोरदार धमाके के बाद पूरी इमारत आग और घने जहरीले धुएं के गुबार में तब्दील हो गई। मुख्य दरवाजे पर धधकती लपटों को देख पब में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। जान बचाने की हताश कोशिश में कई मासूम पब के पिछले हिस्से में बने बाथरूम की तरफ भागे, लेकिन वही रेस्ट रूम उनके लिए गैस चैंबर बन गया। कैमरे में कैद हुए खौफनाक मंजर में लोग बदहवास होकर भागते दिखे, लेकिन धुएं और आग ने उन्हें संभलने का मौका तक नहीं दिया। इस रूह कंपा देने वाले हादसे में 27 लोगों की तड़प-तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई, जिनकी झुलसी हुई लाशें बाथरूम और पब के अंदर बिखरी मिलीं, जबकि कई अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

दमकलकर्मियों के आग पर काबू पाने से पहले ही यह हादसा हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो में थाई राजधानी के उत्तरी हिस्से में स्थित 'ना लादप्राओ' पब के सामने के दरवाजे से ऊंची लपटें और घना काला धुआं निकलता दिख रहा है। यह आग बैंकॉक के चटुचक ज़िले के सबसे लोकप्रिय मनोरंजन स्थलों में से एक में लगी थी। 'जेरूसलम पोस्ट' के अनुसार, आग के दौरान पब के बाथरूम से बाहर निकलने की कोशिश करते हुए पीड़ितों की मौत हो गई। घटनास्थल के वीडियो में लोगों को जान बचाने के लिए भागते हुए देखा गया, क्योंकि घने काले धुएं ने इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था और धुआं रात के आसमान में ऊपर उठ रहा था। बचाव अधिकारियों ने बताया कि उन्हें आधी रात के आसपास आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत आपातकालीन कार्रवाई शुरू की गई। दमकलकर्मी और बचाव दल मौके पर पहुंचे और लोगों को बाहर निकालने व आग बुझाने का काम शुरू किया।

थाईलैंड: बैंकॉक के एक पब में लगी भीषण आग, कम से कम 27 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां के एक पब में रविवार देर रात भीषण आग लगने के कारण कम से कम 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बड़े हादसे की पुष्टि की है। राहत और बचाव कर्मियों के अनुसार, उन्हें आधी रात के आसपास पब में आग लगने की सूचना मिली थी। सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़े कई वीडियो भी सामने आए हैं। इन वीडियो में बैंकॉक के उत्तरी हिस्से में स्थित पब के मुख्य दरवाजे से आग की भीषण लपटें निकलती दिख रही हैं। अपनी जान बचाने के लिए लोग पब से बाहर की तरफ भागते नजर आ रहे हैं, जबकि आसमान में काले धुएं का गुबार साफ दिखाई दे रहा है। हादसे के बाद थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने खुद दुर्घटना स्थल का दौरा किया। वहां मौजूद संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है।

कौन थे शेख हमद बिन थानी

जिनके निधन पर आज भारत में राष्ट्रीय शोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की उम्र में रविवार को निधन हो गया। मौत की वजह नहीं बताई गई। 1995 से 2013 तक कतर पर शासन करने वाले शेख हमद ने देश को तेल गैस संपन्न क्षेत्रीय राष्ट्र सेवैश्विक कूटनीति, निवेश और मीडिया की ताकत बनाया अल थानी के निधन पर भारत सरकार ने सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें दूरदर्शी नेता और भारत का सच्चा मित्र बताया ।उनके कार्यकाल में अल जजीरा नेटवर्क की स्थापना हुई, कतर एयरवेज का विस्तार हुआ और 2022 फीफा विश्व कप की मेजबानी का रास्ता तैयार हुआ। 2013 में उन्होंने सत्ता अपने बेटे और मौजूदा अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंप दी थी। शेख हमद ने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। इसके बाद, खाड़ी क्षेत्र के किसी वंशानुगत शासक द्वारा स्वेच्छा से पद छोड़ने की एक दुर्लभ घटना में, उन्होंने अपने बेटे शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सत्ता सौंप दी। कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था 'अमीरी दीवान' ने रविवार को उनके निधन की घोषणा की और देश के लिए उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। लगभग दो दशक के अपने शासनकाल में, शेख हमद ने कतर को एक छोटे से खाड़ी देश से बदलकर एक वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक ताकत बनाने का काम किया। प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार के दम पर, यह देश लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक बनकर उभरा और साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव भी काफी बढ़ाया। उनके कार्यकाल में ही 'अल जजीरा' मीडिया नेटवर्क की शुरूआत और उसका विस्तार हुआ, जिसने कतर की वैश्विक पहचान को और ऊंचा किया। साथ ही, देश ने 2022 फीफा विश्व कप की मेजबानी की सफल बोली भी जीती; यह टूनामेंट का पहला संस्करण था जिसका आयोजन मध्य पूर्व में किया गया। शेख हमद 1995 में सत्ता में आए थे। उन्होंने अपने पिता, शेख खलीफा बिन हमद अल थानी को तब सत्ता से हटा दिया था जब वे विदेश में थे; यह सत्ता परिवर्तन बिना किसी खून-खराबे के हुआ था। लगभग 18 साल बाद, वे खाड़ी क्षेत्र के उन चुनिंदा वंशानुगत शासकों में से एक बने जिन्होंने अगली पीढ़ी के लिए स्वेच्छा से अपना पद छोड़ दिया।

जगन्नाथ रथ यात्रा पर बढ़ा विवाद

पुरी के गजपति महाराज का इस्कॉन पर बड़ा आरोप- भक्तों को कर रहे गुमराह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा के बाहर होने वाली रथ यात्राओं के समय को लेकर पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन और इस्कॉन के बीच नया विवाद शुरू हो गया है। पुरी के नाममात्र के राजा, गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने इस्कॉन पर आरोप लगाया है कि वे विदेशों में "गलत समय" पर रथ यात्राएं आयोजित करने के बारे में बयान देकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। देब, इस्कॉन की एक प्रेस विज्ञप्ति पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उनके अनुसार, इस विज्ञप्ति में दावा किया गया था कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आयोजित करने के मुद्दे पर संगठन के विद्वानों के साथ हुई बहस में पुरी के विद्वान हार गए थे। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन का कहना है कि रथ यात्रा हिंदू कैलेंडर के अनुसार 'आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि' से शुरू होने वाले नौ दिनों के दौरान ही होनी चाहिए, जबकि इस्कॉन का कहना है कि वह साल भर रथ यात्राएं निकालना चाहता है और इस मामले पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (SJTA) के साथ उसकी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गई है।

इस्कॉन के बयान को गलत बताते हुए देब ने कहा, "मुंबई में इस्कॉन की जुहू शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में पूरी तरह से गलत और बेमतलब की जानकारी दी गई है। पुरी के विद्वानों और इस्कॉन के विद्वानों के बीच पुरी के श्री नाहर (महल) में चर्चा और बहस हुई थी। हालांकि, इस्कॉन अब पूरी तरह से मनगढ़ंत कहानी फैला रहा है कि पुरी के विद्वान बहस हार गए थे। उन्होंने कहा कि SJTA समय से पहले होने वाली रथ यात्रा के मामले में कड़ा जवाब देगा। देब, जो पुरी के 12वीं सदी के मंदिर के लिए फैसले लेने वाली सबसे बड़ी संस्था 'श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति' (SJTMC) के चेयरमैन भी हैं, ने कहा कि ISKCON की सबसे बड़ी संस्था, 'गवर्निंग बॉडी कमीशन' (GBC) को गलत समय पर रथ यात्रा निकालने से हो रही गड़बड़ियों के बारे में जानकारी दी गई थी।

हालांकि, उन्होंने कहा कि ISKCON दुनिया भर में कई जगहों पर स्नान यात्रा और रथ यात्रा आयोजित करता रहता है। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, ISKCON की ओडिशा यूनिट के रीजनल सेक्रेटरी बनमाली दास ने पत्रकारों से कहा ओडिशा ISKCON की ओर से, अगर गजपति महाराज को दुख पहुँचा है तो हम दिल से माफी माँगते हैं। हम उनका बहुत सम्मान करते हैं... हम ओडिशा में पुरी की परंपरा के अनुसार रथ यात्रा निकालते हैं और तय तारीखों और 'तिथियों' से कभी नहीं भटकते। उन्होंने कहा कि विदेश में जो हो रहा है, उस पर ओडिशा ISKCON का कोई कंट्रोल नहीं है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद पर शुभेंदु अधिकारी का बड़ा बयान, कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर एक मस्जिद में सामूहिक नमाज के लिए एंट्री पास सस्पेंड करने के विवाद पर राज्य सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। अधिकारी ने जोर देकर कहा कि जियोपॉलिटिकल महत्व वाले इंस्टॉलेशन के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रह सकते। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को बाकी सभी चीजों से ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री के तौर पर मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूँगा। कोलकाता इंटरनेशनल एयरपोर्ट की लोकेशन बहुत अहम है क्योंकि चीन और बांग्लादेश दोनों ही इसके पास हैं। इसके गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं छोड़े जा सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों पर कोई रोक नहीं लगाती है और उन्होंने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। बकरीद (ईद-उल-अजहा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन करते हुए मनाई गई, मुहर्रम बिना हथियार लहराए मनाया गया और कोई समस्या नहीं हुई। कानून का पालन करें और अच्छे नागरिक बनें। दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश किए बिना अपने धर्म का पालन एक निजी मामले के तौर पर करें। तब सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहेगा। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने से एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएंगी।

भारत में घुसने का प्रयास कर रहा था पाकिस्तानी घुसपैठिया

तभी आ गये बीएसएफ जवान, उसके बाद जो हुआ...मजा आ गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिये की नाकाम कोशिश ने एक बार फिर साफ कर दिया कि सीमा पार बैठे तत्व भारत की सुरक्षा को चुनौती देने की साजिशों से बाज नहीं आ रहे हैं। दूसरी ओर पिछले डेढ़ महीने से भी अधिक समय से चल रहा विशाल अभियान ऑपरेशन शेरुवाली इस बात का प्रमाण है कि आतंकवाद के बचे हुए नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए सुरक्षा बल लगातार मैदान में डटे हुए हैं। इसी बीच अलगाववादियों का महिमामंडन करने वाली पुस्तकों के प्रकाशन और वितरण के मामले में हुई कार्रवाई ने यह संकेत भी दे दिया है कि अब केवल बंदूक उठाने वालों पर ही नहीं, बल्कि अलगाववाद की सोच फैलाने वाले हर माध्यम पर भी सख्त प्रहार किया जाएगा। हम आपको बता दें कि कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में रविवार शाम उस समय हालात अचानक गंभीर हो गए, जब सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बोबिया इलाके में एक पाकिस्तानी घुसपैठिये की संदिग्ध गतिविधि देखी। जवानों ने उसे स्पष्ट चेतावनी देते हुए रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए सीमा पर लगी बाड़ की ओर बढ़ने का प्रयास किया। भारतीय जवान पूरी तरह सतर्क थे। जैसे ही घुसपैठिये ने आगे बढ़ने की कोशिश की, सीमा सुरक्षा बल ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। जवानों की त्वरित और आक्रामक कार्रवाई से घबराकर घुसपैठिया तुरंत पीछे हटा और पाकिस्तान की सीमा में वापस भाग गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौकस है और किसी भी घुसपैठ की कोशिश का तत्काल और प्रभावी जवाब दिया जा रहा है। इसके अलावा, सीमा पर लगातार हो रही ऐसी गतिविधियों के बीच सुरक्षा बलों का सबसे बड़ा अभियान भी पूरे दमखम के साथ जारी है। तेइस मई से शुरू हुआ ऑपरेशन शेरुवाली अब डेढ़ महीने से भी अधिक समय पार कर चुका है और इसे जम्मू-कश्मीर के सबसे लंबे लगातार चलने वाले आतंकवाद विरोधी अभियानों में गिना जा रहा है। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल संयुक्त रूप से इस अभियान को अंजाम दे रहे हैं। इसका मुख्य लक्ष्य राजौरी जिले के मंजाकोट क्षेत्र के दोरीमल और गंभीर मुगलान के घने जंगलों में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों का पूरी तरह सफाया करना है। हम आपको बता दें कि दुर्गम पहाड़ी इलाकों और घने जंगलों में चल रहे इस अभियान के दौरान सुरक्षा बल हर संभव आधुनिक संसाधन का उपयोग कर रहे हैं। निगरानी के अत्याधुनिक उपकरण, मानवरहित विमान और खोजी कुत्तों की मदद से पूरे इलाके की लगातार तलाशी ली जा रही है। जंगलों के भीतर आतंकवादियों के संभावित ठिकानों को खंगाला जा रहा है और उनके भागने के सभी रास्तों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का स्पष्ट संदेश है कि सीमा पार से भेजे गए आतंकवादियों के लिए जम्मू-कश्मीर की धरती पर अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचेगा। कठुआ में घुसपैठ की नाकाम कोशिश और राजौरी में लगातार जारी व्यापक अभियान यह दिखाते हैं कि सीमा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई अब एक साथ और पूरी ताकत के साथ चल रही है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794